गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

हिंदी दैनिक

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 96 | गुवाहाटी | रविवार, 8 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8

Viksit Bharat Samachar
Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ACCREDITED PARTNER IAGES

MCJ®

MANIK CHAND®
JEWELLERS
THE ORIGINAL SINCE 1964
MCJ KRISHAN SONI GROUP

शुभ दीपावली

MCJ®
MANIK CHAND
JEWELLERS
MCJ KRISHAN SONI GROUP

T&C APPLY

FLAT
40% OFF
ON MAKING CHARGES OF
DIAMOND/PLATINUM
ORNAMENTS

FLAT
30% OFF
ON MAKING CHARGES OF
GOLD ORNAMENTS

Offer valid from 1ST TO 8TH NOVEMBER, 2026

G.S. ROAD, CHRISTIAN BASTI
Beside Sony Center, Guwahati-781005
9678068944

SHOPPERS POINT, FANCY BAZAR
1st Floor, H. B. Road, Guwahati-781001
9678068914

K. C. ROAD, FANCY BAZAR
Guwahati-781001
9678068905

TIMES SQUARE MALL, ZOO ROAD
Ground Floor, Guwahati-781005
9678068936

COURTYARD BY MARRIOTT, SHILLONG
Police Bazar, Shillong -793001
9678068930

IMPERIAL MALL, CLUB ROAD, SILCHAR
Silchar -788001
9678068943

MANIKCHANDJEWELLERS.MCJ | 9678068937 | WWW.MANIKCHANDJEWELLERS.COM

EXCHANGE YOUR OLD GOLD JEWELLERY WITH NEW JEWELLERY | WE ACCEPT ALL MAJOR DEBIT AND CREDIT CARDS

ग्वालपाड़ा दौरे के दौरान पीयूष हजारिका ने कृषि और सिंचाई योजनाओं की समीक्षा की

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को ग्वालपाड़ा जिले का दौरा कर विभिन्न विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। विधायक टंकेश्वर राभा और पवित्र राभा के साथ मंत्री ने दरंगगिरी केला बाजार का दौरा किया। यहां उन्होंने किसानों और व्यापारियों से बातचीत कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण केले के पौधे उपलब्ध कराने तथा चरणबद्ध तरीके से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बाजार के नए भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को जनवरी 2027 तक इसे चालू करने का निर्देश दिया। इसके बाद देउलगुड़ी में उन्होंने ऑयल पाम के बागान का दौरा किया और विभागीय अधिकारियों, किसानों तथा अन्य हितधारकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में किसानों का पंजीकरण, पौधों का वितरण, ऑयल पाम की खेती, कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ), किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) को मजबूत करने तथा मखाना की खेती के लिए उपयुक्त जलाशयों की पहचान जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में राज्यभर में 1,500 किसान उत्पादक कंपनियां स्थापित करने तथा गोलपाड़ा में कम से कम दो मशरूम प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लक्ष्य पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा अगर की खेती को बढ़ावा देने और सिंचाई विकास के लिए बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं (ईएपी)



तैयार करने पर चर्चा हुई। इस दौरान सरकार को अपनी उपज बेचने वाले किसानों के बीच धान खरीद प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। मंत्री ने दुधनोई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हाबरी एफआईएस और देवशिला एफआईएस का भी निरीक्षण किया। इन दोनों सिंचाई योजनाओं के तहत फिलहाल क्रमशः लगभग 100 हेक्टेयर और 405 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है, जबकि इनकी वास्तविक सिंचाई क्षमता क्रमशः 600 हेक्टेयर और 940 हेक्टेयर है। उन्होंने अगले वर्ष तक इन योजनाओं की पूरी क्षमता का उपयोग सुनिश्चित करने के प्रयासों का आश्वासन दिया और अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरे के दौरान हजारिका ने असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित प्रगतिशील किसान हरकांत बसुमतारी को उनके आवास पर सम्मानित किया। कृषि, विशेषकर खाद्य तेल उत्पादन के लिए ऑयल पाम की खेती में उनके योगदान की सराहना की गई। मंत्री ने दुधनोई के उदयपुर खेल मैदान में खेल महारन 3.0 के तहत ग्राम पंचायत स्तरीय प्रतियोगिताओं का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर दोनों विधायक, ग्वालपाड़ा के जिला आयुक्त तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस दौरे के माध्यम से राज्य सरकार ने कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने, किसानों के लिए बाजार तक पहुंच बेहतर बनाने तथा उनकी आय और आजीविका बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बीटीसी की तीन सीटों के लिए मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के तीन निर्वाचन क्षेत्रों 15-काजलगांव (एसटी), 26-दरंगाजुली (एसटी) और 40-रौता (एसटी) की मसौदा फोटो मतदाता सूची प्रकाशित कर दी। प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची के अनुसार, 15-काजलगांव निर्वाचन क्षेत्र में कुल 63,240 मतदाता हैं। इनमें 30,942 पुरुष और 32,298 महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं, 26-दरंगाजुली निर्वाचन क्षेत्र में कुल 68,431 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 34,221 पुरुष और 34,210 महिला मतदाता हैं। इसी तरह, 40-रौता निर्वाचन क्षेत्र में कुल 87,913 मतदाता हैं। इनमें 44,187 पुरुष और 43,726 महिला मतदाता शामिल हैं। आयोग द्वारा 15 अक्तूबर, 2026 को जारी अधिसूचना संख्या एसईसी.39/2025/42 के तहत मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की गई है। मसौदा मतदाता सूची की प्रतियां संबंधित अंचल अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों, नगरपालिकाओं, नगर समितियों, उप-पंजीयक कार्यालयों, पुलिस थानों, चाय बागानों, गांव पंचायतों और ग्राम परिषद विकास समितियों के कार्यालयों में उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा, मतदाता आयोग के ओईआरएमएस पोर्टल तथा संबंधित जिला प्रशासन की वेबसाइटों पर भी सूची देख सकते हैं। मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अपने मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के माध्यम से अपना नाम जांच सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित मतदान केंद्र की



मसौदा मतदाता सूची भी डाउनलोड की जा सकती है। मसौदा मतदाता सूची में दर्ज नामों और अन्य विवरणों को लेकर दावे एवं आपत्तियां 21 नवंबर, 2026 तक जमा की जा सकेंगी। इसके लिए संबंधित निर्वाचन अधिकारी (आरओ), सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) अथवा जिला प्रशासन से संपर्क किया जा सकता है। दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने के निर्धारित प्रपत्र संबंधित आरओ और एआरओ कार्यालयों के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं असम राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइटों पर भी उपलब्ध हैं।

राज्यपाल ने काली पूजा और दीपावली की शुभकामनाएं दीं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने काली पूजा और दीपावली के पावन अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि काली पूजा मां काली का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर है। मां काली की शक्ति और कृपा लोगों को नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करने तथा साहस, आस्था और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मां काली का आशीर्वाद राज्य के प्रत्येक परिवार में शांति, सुख, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आएगा। दीपावली को प्रकाश, आशा और नवचेतना का पर्व बताते हुए आचार्य ने कहा कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व समाज को सत्य, करुणा, सद्भाव और आपसी समझ जैसे शाश्वत मूल्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दीपावली का प्रकाश प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को आशा और सकारात्मकता से आलोकित करेगा तथा लोगों के बीच एकता, सौहार्द और भाईचारे की भावना को और मजबूत बनाएगा। राज्यपाल ने लोगों से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहते हुए त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने स्वच्छ और हरित असम के निर्माण में योगदान देने के लिए पर्यावरण अनुकूल एवं प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का आग्रह किया। साथ ही त्योहार की वास्तविक भावना और पवित्रता बनाए रखने की भी अपील की।

असम के मुख्यमंत्री ने एनएलयूजेए की कोर कमेटी की बैठक में लिया हिस्सा



गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अमीनगांव स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एंड ज्यूडिशियल एकेडमी, असम (एनएलयूजेए) की कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास तथा राज्य में कानूनी शिक्षा और न्यायिक प्रशासन को मजबूत बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान एनएलयूजेए को कानूनी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। साथ ही संस्थान के शैक्षणिक स्तर को और बेहतर बनाने तथा असम में गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

तैराक तीर्थंक पेगू के यूथ ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर मुख्यमंत्री एवं असम तैराकी संघ ने दी बधाई

यूथ ओलंपिक खेलों में तैराकी में पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष तैराक बने तीर्थंक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के उभरते हुए तैराक तीर्थंक पेगू ने यूथ ओलंपिक में पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए तीर्थंक पेगू को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने इसे भारतीय तैराकी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थंक वैश्विक स्तर पर पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तैराक बन गए हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से असम के साथ-साथ पूरे देश का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि तीर्थंक की सफलता देश के युवा और उभरते हुए तैराकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं दूसरी ओर पेगु की इस उपलब्धि पर आज असम तैराकी संघ के सचिव भास्कर दास तथा



प्रचार सचिव मुकुतेश्वर गोस्वामी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय तैराकी के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए असम के तैराक तीर्थंक पेगु ने 2026 यूथ ओलंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। सेनेगल के अफ्रीकी शहर डकार में 31 अक्तूबर से 13 नवंबर तक आयोजित हो रहे इन खेलों की पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में तीर्थंक ने 2 मिनट 01.25 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ तीर्थंक पेगु यूथ ओलंपिक खेलों में तैराकी में पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष तैराक बन गए हैं। उनकी इस सफलता से न केवल देश, बल्कि असम और भारतीय तैराकी जगत में भी खुशी और गर्व का माहौल है। इस अवसर पर असम तैराकी संघ के सचिव भास्कर रंजन दास ने कहा कि तीर्थंक का यह प्रदर्शन भारतीय तैराकी के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

परिवार के साथ मां कामाख्या धाम पहुंचे लोकप्रिय गायक अरिजीत सिंह, लिया आशीर्वाद



गुवाहाटी (हिंस)। लोकप्रिय पार्श्व गायक अरिजीत सिंह शनिवार को अपने परिवार के साथ गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या धाम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मां कामाख्या के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। परिवार के साथ मंदिर पहुंचे गायक की उपस्थिति को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में उत्सुकता देखी गई। मां कामाख्या के दर्शन के बाद अरिजीत सिंह ने मंदिर में आशीर्वाद प्राप्त किया।

बिजली शुल्क वृद्धि के खिलाफ रंगिया में प्रदर्शन, ऊर्जा विभाग का पुतला फूंका

रंगिया (विभास)। असम सरकार द्वारा बिजली शुल्क में वृद्धि करने के निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए आज रंगिया में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के आह्वान पर एक उग्र विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन के कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अध्यक्ष अमीनुल हक और महासचिव अभिजीत कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ताओं ने रंगिया के ऐतिहासिक हाईवे चौक पर एकत्रित होकर बिजली शुल्क में की गई वृद्धि को तुरंत वापस लेने और दरों में कटौती की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलन के हिस्से के रूप में प्रदर्शनकारियों ने ऊर्जा विभाग का एक पुतला सार्वजनिक रूप से फूंका। प्रदर्शन स्थल पर छात्र कार्यकर्ता सरकार और ऊर्जा विभाग की जनविरोधी नीतियों के



खिलाफ मुखर हुए और *ऊर्जा विभाग हाय-हाय, बिजली शुल्क कम करो, बिजली विभाग का काम नहीं* जैसे विभिन्न नारों से पूरे माहौल को गुंजायमान कर दिया। प्रदर्शन स्थल पर ही रंगिया आंचलिक छात्र संघ के महासचिव अभिजीत कुमार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार आम जनता पर थोपे गए इस अन्यायपूर्ण बिजली शुल्क के बोझ को जल्द वापस नहीं लेती है, तो आने वाले दिनों में आसू और अधिक उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा।

असम में बिजली ढांचे और अपून घर योजना के लिए 72.46 करोड़ रुपए मंजूर

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार की स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) ने शनिवार को बिजली और वित्त विभागों के महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। इसके तहत बिजली ढांचे के आधुनिकीकरण और अपोन घर योजना के लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी देने के लिए कुल 72.46 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बराक घाटी में पुरानी बिजली वितरण लाइनों के आधुनिकीकरण और बिजली संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 51.27 करोड़ रुपए मंजूर किए गए। इसके अलावा, अपून घर योजना के तहत 44,602 लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी प्रदान करने के लिए 21.19 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इन मंजूरियों का उद्देश्य राज्य में बिजली वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ योजना के पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त दीपावली का संदेश लेकर कोकराझाड़ में निकाली गई ग्रीन रैली

कोकराझाड़ (हिंस)। स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को कोकराझाड़ जिला प्रशासन की ओर से असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एएसआरएलएम) तथा नेशनल अर्बन लाइवलीहुड मिशन (एनयूएलएम), कोकराझाड़ के सहयोग से ग्रीन रैली का आयोजन किया गया। *पटाखों को कहें ना, स्वच्छ हवा को कहें हां* थीम पर आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य दीपावली के दौरान पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति आम लोगों को जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कोकराझाड़ नगर पालिका बोर्ड के अध्यक्ष, डीपीएम, एएसआरएलएम, कार्यकारी अभियंता, कोकराझाड़ नगर पालिका बोर्ड, सिटी मैनेजर, एएसआरएलएम के अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्य, कम्युनिटी कैडर तथा कोकराझाड़ एवं डोटमा विकासखंड के बीएमएमयू, एएसआरएलएम के सीएलएफ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा एनयूएलएम, कोकराझाड़ से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर पटाखों के इस्तेमाल से बचने, स्वच्छ हवा बनाए रखने तथा पर्यावरण के अनुकूल तरीके से दीपावली मनाने की अपील की।

No.DPRD/BTC/(15-FC)T(IX/Udl-09/2026/9 *Dated Kokrajhar, the 5th Nov., 2026*

PRESS NOTICE

(e-Procuremen)

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for implementation of work "Const. of Solar Power Standalone DW facility with Odex System at Mazbat RF Unit-VII (AC-128503861)" for an amount not exceeding of Rs.26,50,000.00 (Rupees twenty six lakhs fifty thousand) only under the award of 15th Finance Commission (Grant No.66) for the year 2025-26 (i.e. 3604-00-200-4656-707-32-99) under Tied Grant during 2026-27 from the registered contractors of Class-I & Class-II (A, B & C) category of PWD (Roads) / (Building), PHE etc. within the Administrative control of BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2026-27/2289

असम के राज्यपाल ने 76वें स्थापना दिवस पर युवा स्काउट्स और गाइड्स के साथ संवाद किया



गुवाहाटी। स्काउट्स और गाइड्स के 76वें स्थापना दिवस के अवसर पर, असम के राज्यपाल और स्काउट्स एंड गाइड्स के मुख्य संरक्षक श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज लोक भवन में *भारत स्काउट्स एंड गाइड्स* के कामरूप (मेट्रो) जिला संघ के युवा सदस्यों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्काउट्स और गाइड्स के बैज का अनावरण किया और संगठन तथा इसके सदस्यों के कल्याण के लिए आर्थिक योगदान भी दिया। बच्चों के उत्साह की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि *भारत स्काउट्स एंड गाइड्स* युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, देशभक्ति और समाज सेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे राष्ट्र-निर्माण में योगदान मिलता है। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और स्वयंसेवकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने विश्वास जताया कि यह संगठन युवाओं को समाज की सेवा करने और एकता तथा सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना जारी रखेगा।

एसीए ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए असम टीम की घोषणा की

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने 14 नवंबर, 2026 से चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट 2026-27 के लिए टीम की घोषणा कर दी है। डेनिश दास को असम टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि साहिल जैन उप-कप्तान के रूप में काम करेंगे। दस्ता : डेनिश दास (कप्तान), साहिल जैन, (उप-कप्तान), सिबसंकर रॉय, अविनव चौधरी, रौशन आलम, आकाश सेनगुप्ता, आयुष्मान मालाकार, मृण्मय दत्ता, मुक्तार हुसैन, बिशाल साहा, प्रद्युन सैकिया, भार्गब प्रतिम लहकर, आयुष अग्रवाल (डब्ल्यूके), रोहित सेन (विकेटकीपर), जीतुमोनी कलिता, अब्दुल अजीज कुरैशी, स्टैंडबाय खिलाड़ी निहार डेका, संजय कुमार सिंह, एरिक रॉय (विकेटकीपर), अमलानज्योति दास, सादेक हुसैन, राहुल सिंह, गुंजनज्योति डेका, जीतू अली और निपन डेका हैं। सहयोगी कर्मचारी-वर्ग- प्रबंधक: सुजीत चौधरी, प्रमुख कोच- किरण पोवार, सहायक कोच- आरके यादव और प्रीतम दास, प्रशिक्षक- भास्कर बोरा, फिजियो- भीष्म प्रताप सिंह थ्रोडाउन- विवेक सालुंखे, प्रदर्शन विश्लेषक- विकास रंजन दास, असम क्रिकेट एसोसिएशन पूरी टीम को आगामी टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।

चिथिला में *खेल महारण 3.0* का भव्य आगाज

विधायक रूपम चंद्र राय ने किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के चिथिला वीसीडीसी के तत्वावधान में शनिवार को चिथिला एमवी स्कूल प्रांगण में त्रिदिवसीय खेल प्रतियोगिता *खेल महारण 3.0* (2026-27) का विधिवत व भव्य शुभारंभ हुआ। ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह खेल महोत्सव 7, 10 और 11 नवंबर को आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में 4 नंबर बाउखूंगारी समष्टि के विधायक रूपम चंद्र राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक ने पारंपरिक रूप से लाल फीता काटकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीपीएफ के सचिव डॉ. रेजाउल करीम, जिला खेल अधिकारी, अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। तीन दिनों तक चलने वाले



इस खेल महोत्सव में क्षेत्र के युवा विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं: टीम स्पर्धाएं-फुटबॉल और वॉलीबॉल, ट्रैक स्पर्धाएं- 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़। अन्य एथलेटिक्स स्पर्धाएं-लांग जंप (लंबी कूद) सहित विभिन्न ट्रैक एंड फील्ड खेल प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

No.TDB/SOPD/105/2024-25/711 *Date 06/11/ 2026*

INVITATION FOR BIBS

The Block Development Officer, Tamulpur Development Block, Dist- Tamulpur, BTC, Assam invites bid affixing non-refundable Court fee Stamp of Rs.8.25(Rupees Eight and Twenty-Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class-I (A, B, C), Class-II or Class-III category registered with Assam PWD (R&B)/Irrigation Deptt. for the following work under SOPD, Tribal Affairs Deptt. during 2026-27. Tender Box will be available for dropping lender in the Office of the Block Development Officer, Tamulpur Development Block from 07/11/2026 up to 2.00 PM on 30/11/2026 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day) and the tender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (In Rs.)	Time of Completion	Tender Cost &Earnest Money & Date offender
1	Construction of road from Baneswar Boro House to Arjun tree paddy field at Bherakhat Village,No.2 Dakhin Kumarikata VCDC under Deputy Speaker Discretionary fund	19,99,000.00	180 days from the date of issue of final work order	1. Tender cost @ 0.03% of A/A amount to be pledged by Bank draft in favour of Principal Secretary, BTC. 2. Earnest money @2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block 3. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.
2	Construction of road from Simangsha Basumatary house to Kakhreb Basumatary House at Palashguri Village, No. 3 Paschim Kumarikata VCDC under Deputy Speaker Discretionary fund	19,99,000.00		
3	Construction of road from Balabari Deol Mandir to Langkeswar Rajbongshi house at Madarbari Village (Pachim Supa) No. 4 Dakhin Kumarikata VCDC under Deputy Speaker Discretionary fund	19,97,000.00		
4	Construction of road from Upen Roy House to Gono Ray House at Sarubhera village, No.2 Dakhin Kumarikata VCDC under Deputy Speaker Discretionary fund	19,99,000.00		
5	Construction of road from Kpla Boro House to Sukul Boro House at Dumuria Village. No. 3 Dakhin Kumarikata VCDC under Deputy Speaker Discretionary fund	19,98,000.00		

Details NIT may be seen at Office of the B.D.O Tamulpur Development Block, Tamulpur, Dist- Tamulpur.

Sd/-
Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)/C/2026-27/2273

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

शर्मा शार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

पेज-3

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 96 | गुवाहाटी | रविवार, 8 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम की मौजूदगी में देशभर में गूंजा गीत कहीं नहीं जाएंगे मोदी पेज 5

एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई एफडी दरें, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा... पेज 6

पहली विश्वकप जीत के इरादे से उतरेगा हैती, कोच सैंविल ने रक्षापंक्ति... पेज 7

दीपावली : परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पेज 8

लाखों दीपों से रौशन हुई अयोध्या, उपराष्ट्रपति ने किया भव्य दीपोत्सव का शुभारंभ

अयोध्या (हि.स.)। देश के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को राम की नगरी अयोध्या में दसवें दीपोत्सव का भव्य शुभारंभ किया। दीपोत्सव पर 30 लाख दीये सरयू नदी के 56 घाटों पर प्रज्जवलित किये जा रहे हैं। समूची राम नगरी वेदमंत्रों, शंख ध्वनि और जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान रही। इस आयोजन के लिए रामनगरी को त्रेतायुग की तरह जगह-जगह चौक पूरना, रंगोली और ध्वजों, तोरणद्वारों से सजाया गया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत बडी संख्या में साधु-संत और आचार्य इस भव्य दीपोत्सव के साक्षी बने। मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रामकथा पार्क में आयोजित दीपोत्सव समारोह का शुभारंभ करते हुए श्रीराम का उद्घोष किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अयोध्यावासियों, साधु-संतों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भगवान श्री राम का जीवन हमें सिखाता है कि आदर्श जीवन कर्तव्य निभाने से होता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने अपने जीवन में व्यक्तिगत हितों, निजी हितों से ऊपर उठकर प्रजा हितों को सर्वोच्च माना। इसीलिए हम उन्हें भगवान कहते हैं। उन्होंने कहा कि शताब्दियों के संघर्ष के बाद भगवान राम का मंदिर हम सबके सामने हैं। मर्यादा पुरुषोत्म राम हम सबके लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि आज मंदिर में दर्शन के बाद मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से



ऐसी दिव्यता अयोध्या में आयी है और मंदिर निर्माण कारसेवकों व साधु-संतों के त्याग से हुआ है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने राम कथा, रामायण लिखकर दुनिया को एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या को एक अंतरराष्ट्रीय शहर बना दिया है। आज का दीपोत्सव एक सामान्य नहीं है प्रत्येक भारतीय के घर में है। इससे संदेश जाएगा कि प्रत्येक परिवार में उजाला फैलाने वाला है। दीपावली के अवसर पर भगवान श्री राम के आदर्शों पर चल कर समाज व राष्ट्र के हित में काम करते हुए भारत को विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंचाएंगे। इसके पहले उपराष्ट्रपति ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भव्य रूप से सजाये गये राम दरबार में प्रभु श्री राम, अनुज लक्ष्मण, माता सीता, रामभक्त हनुमान का तिलक लगाकर स्वागत किया। भगवान राम का राज तिलक कर आरती उतारी। उन्होंने सभी साधु संतों, आचार्यों का अभिवादन किया। इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन यह सिखाता है कि आदर्श पुत्र, पिता,पति और शासन कैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राम केवल एक विचार नहीं भारत की सांस्कृतिक धारा हैं। महर्षि वाल्मीकि और महाकवि तुलसीदास जी ने राम का जीवन से देश दुनिया को परिचित कराया है। अयोध्या की पहचान केवल मंदिरों से नहीं बल्कि यहां की लोककला, संस्कृति से भी है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के दिन जब हम अयोध्या धाम को देखते हैं तो हर कोई कहता है कि ऐसी ही त्रेतायुग में होगी। महाकवि तुलसीदास ने भी लिखा है कि अवधपुरी अति रुचिर बनाई वैसी ही आज है। प्रभु राम, मां जानकी, अनुज लक्ष्मण और हनुमान के साथ 14 साल बाद जब वनवास के बाद वापस आए होंगे तो ऐसा ही कुछ दृश्य रहा होगा। मुख्यमंत्री योगी ने राम चरित मानस के विभिन्न प्रसंगों का जिक्र करते हुए कहा कि आज की अयोध्या त्रेतायुग का स्मरण कराती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, सप्तपुरियों के बारे में सब जानते हैं लेकिन यह ताकत ऐसे ही नहीं हुई। वास्तव में राम की चेतना ही भारत की चेतना और संस्कार हैं। राम भारत के प्राण हैं। भारत के आत्मसम्मान हैं। यही कारण है कि सप्तपुरिया में अयोध्या को प्रथम पुरी की मान्यता दी गयी है। अयोध्या के कण-कण में, रोम रोम में राम विराजमान हैं। शताब्दियों पहले भी कई चुनौतियां आयीं होंगी लेकिन उन चुनौतियों का सामना करना रामभक्तों, संतों,नागाओं, निहंगों समेत समाज के सभी वर्गों ने स्वीकार किया। विदेशी आक्रांताओं और -शेष पृष्ठ छह पर

राष्ट्रपति ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के अच्छे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण और आपसी सद्भाव बनाए रखने तथा भारतीय मूल्यों से प्रेरित युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में उत्साहपूर्वक योगदान देने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में भारत और विदेशों में रह रहे सभी भारतीयों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली का आनंदमय उत्सव रावण पर विजय के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने से जुड़ा है। भगवान श्रीराम ने दीपों की सुंदर पंक्तियां देखी थीं। यही दीपावली का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व रामराज्य के शुभारंभ का भी प्रतीक है। मुर्मु ने कहा कि दीपावली का पर्व सद्गुणों की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय का प्रतीक है। यह दुखों के अंत और आनंदमय एवं समृद्ध जीवन की शुरुआत का भी संदेश देता है।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दी दिवाली की बधाई, बोले-

हर साल की तरह जवानों के बीच मनाऊंगा त्योहार



नई दिल्ली। पीएम मोदी ने दीपावली के पावन अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने देश के लोगों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि हर साल की भांति इस साल भी वह जवानों के साथ दीपावली मनाएंगे। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व, अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दीपावली की मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका यह पर्व, आपका आगे का समय, सबकुछ सुख- शांति और समृद्धि से भरा हुआ रहे। मैं भी आपकी तरह बहुत उत्साह से दिवाली मनाता हूं। हर वर्ष आप जानते हैं कि देश -शेष पृष्ठ छह पर

सुप्रभात

जो नास्तिक हैं उनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भगवान में विश्वास करना चाहिए इसी में उनका हित है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

डिब्रूगढ़ ऑयल विस्फोट मामला, मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हुई

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ जिले में शुक्रवार को ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) की एक तेल सुविधा में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। शनिवार को दो और लोगों की जलने से लगी चोटों के कारण मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, डिब्रूगढ़ के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक इंजीनियर की मौत हो गई, जबकि एक कर्मचारी ने गुवाहाटी के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। इससे पहले, एक व्यक्ति की मौत एक दिन पहले ही हो गई थी। सभी घायलों को इलाज के लिए डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कंपनी के मुताबिक, हादसे के समय मौके पर नौ कर्मचारी मौजूद थे। ऑयल इंडिया की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह दुर्घटना जिले के तेंगाखाट स्थित इंटरमीडिएट टैंक फार्म में सुबह करीब 9:05 बजे हुई।

भूपेन हजारिका जन्मशताब्दी समारोह के समापन में शामिल होने के लिए पोर्टल शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्मशताब्दी समारोह के भव्य समापन कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक लोगों के पंजीकरण के लिए एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। यह भव्य समापन समारोह आगामी 29 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने के इच्छुक लोग sudhakantha.assam.statedatacenter.in पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। सफल पंजीकरण के बाद उन्हें ई-निमंत्रण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य महान गायक, संगीतकार और सांस्कृतिक विभूति डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

आपातकाल पर सोनिया ने किया इंदिरा गांधी का बचाव, कहा-

सब सांविधानिक रूप से किया गया



नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने आपातकाल को लेकर भी अपनी राय रखी। अंग्रेजी अखबार को दिए एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था। सोनिया गांधी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हमारे देश की बुनियाद, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि अब लोग इस नुकसान को समझने लगे हैं। सोनिया ने भरोसा जताया कि देश के मतदाता लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने और बेहतर शासन की वापसी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार के जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को फिर से सही स्थिति में लाने में समय लगेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को काफी प्रयास करने होंगे। लोग अब बेचैन होने लगे हैं और उन्हें हो रहे नुकसान का एहसास हो रहा है। लेकिन मैं आशावादी हूं और मुझे विश्वास है कि भारत के लोग बेहतर शासन व्यवस्था -शेष पृष्ठ छह पर

12 दिसंबर को राम मंदिर जाएंगे अखिलेश यादव



लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को अयोध्या जाएंगे। सपा नेता पवन पांडे ने आज छोटी दीपावली के अवसर पर इसका एलान किया। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव शनिवार, 12 दिसंबर को अयोध्या पहुंचेंगे और हनुमानगढ़ी के साथ रामलला के दर्शन करेंगे। पिछले दिनों अयोध्या दौरे के दौरान अखिलेश यादव ने पवन पांडे को अपनी अयोध्या यात्रा की तारीख तय करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बाद पवन पांडे ने आज यात्रा की तारीख का एलान कर दिया। अखिलेश यादव का यह दौरा उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। अयोध्या राम मंदिर निर्माण के बाद से ही प्रदेश की राजनीति के केंद्र में बनी -शेष पृष्ठ छह पर

कैंसर की 1000 से ज्यादा दवाइयां होंगी सस्ती, 9 नवंबर से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली (हि.स.)। कैंसर का इलाज करा रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 1000 से ज्यादा ब्रांड की दवाइयों की कीमतें कम कर दी हैं। नई कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू होंगी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अनुसार, अब तक 76 दवा कंपनियों ने 1225 दवाइयों की नई कीमतों की जानकारी दी है। इनमें से 1031 दवाइयों के दाम कम हुए हैं। करीब 600 ब्रांड की कीमतों में 50 फीसदी से ज्यादा की कटौती की गई है। कुछ दवाइयों के दाम तो 96.45 फीसदी तक घटे हैं। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतें कम होने से मरीजों को हर साल करीब 3502 करोड़ रुपए की बचत होगी। नई कीमतों के अनुसार, ब्रिक्सटा इंजेक्शन की कीमत 25,995 रुपए से घटाकर 3,318 रुपए कर दी गई है। अबीरोन दवा अब 41,250 रुपए की जगह 3,218 रुपए में मिलेगी। इसी तरह पेग-रेलीग्रास्ट की कीमत 5,331 रुपए से घटाकर 1,258 रुपए और अजाडिन की कीमत 5,964.70 रुपए से घटाकर 1,199.50 रुपए कर दी गई है। इन दवाइयों का इस्तेमाल स्तन कैंसर, फेफड़ों -शेष पृष्ठ छह पर

पोलैंड की राजधानी के मुख्य बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी पांच मरे, कई लोग घायल

क्राको। पोलैंड के खूबसूरत शहर क्राको से शनिवार शाम एक बेहद डरावनी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। शहर के मुख्य बाजार के पास अचानक ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगीं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और फायर ब्रिगेड के हवाले से मिल रही शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस खतरनाक गोलीबारी में पांच बेकसूर लोगों की जान चली गई है, जबकि कम से कम एक दर्ज अन्य लोग -शेष पृष्ठ छह पर

अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर भारी बवाल

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, कई घायल



कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच तनाव की खबर सामने आ रही है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन पर कोलकाता के कालीघाट स्थित उनके आवास के बाहर आधी रात को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला -शेष पृष्ठ छह पर

जमीन पट्टा व वेतन वृद्धि को लेकर चाय बागान श्रमिकों ने किया राज्यव्यापी प्रदर्शन



गुवाहाटी (हि.स.)। असम में अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शनिवार को चाय बागान श्रमिकों ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। राज्य के अलग-अलग चाय बागानों में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने जमीन का पट्टा देने, अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्रदान करने और दैनिक मजदूरी में बढ़ोतरी करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का कहना है कि उनकी कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन अब तक उन्हें पूरा नहीं किया गया है। श्रमिकों ने सरकार से उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने और जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की। चाय बागान -शेष पृष्ठ छह पर

191 लोगों की हत्या के दोषी केन्या में धार्मिक नेता को 200 साल की जेल, कोर्ट ने सुनाई ऐतिहासिक सजा



नाइरोबी। केन्या में एक धार्मिक नेता को 191 लोगों की हत्या के अपराध में 200 साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। इस धार्मिक नेता का संबंध 400 लोगों से अधिक की मौत से संबंधित है। केन्या के तटीय शहर मोम्बासा के हाईकोर्ट ने पास्टर पॉल मैकेंजी को यह सजा सुनाई। उसे 190 बच्चों और एक वयस्क की हत्या का दोषी ठहराया गया। उसने अपने अनुयायियों को सलाह दी थी कि यदि वे ईसा मसीह से मिलने के इच्छुक हैं, तो खुद को भूखा रखकर अपनी जान दे दें। पॉल मैकेंजी और उसके 28 अनुयायियों पर यह आरोप लगाया गया था, जिनमें वे गार्ड भी शामिल थे, जो उपवास के निर्देशों को जबरन लागू करवाते थे। इनमें कब्र खोदने वाले वे लोग भी शामिल थे जिन्होंने सामूहिक कब्रों को छिपाने में मदद की थी। इस मामले में केवल एक व्यक्ति ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था और नरमी की गुहार लगाई थी, जबकि अन्य सभी ने इन आरोपों से इनकार किया था। 19 अक्तूबर को अदालत ने सभी 29 आरोपियों को 191 लोगों की हत्या का दोषी पाया था। साल 2023 में तटीय किलिफी काउंटी में 800 एकड़ में फैले चाकामा रेंचकी की कब्रों से 400 से अधिक शव बाहर निकाले गये थे, जहां मैकेंजी के अनुयायी स्थानीय -शेष पृष्ठ छह पर

कबाड़ बेचकर सरकार को मिले 970 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। केंद्र सरकार के विशेष स्वच्छता अभियान में इस बार कमाई और सफाई दोनों के मामले में नया रिकार्ड बना है। एक महीने तक चले अभियान में सरकारी विभागों ने पुराने कबाड़ और ई-कचरे को बेचकर 970.33 करोड़ रुपए जुटाए। कबाड़ बेचकर कमाई के मामले में रेलवे सबसे आगे रहा।केंद्र सरकार के विशेष अभियान 6.0 के तहत दो से 31 अक्तूबर तक देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार 2021 में वार्षिक विशेष अभियान शुरू होने के बाद से इस अभियान ने कई मामलों में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। अभियान के दौरान कबाड़ और ई-कचरे के निपटान से सरकार को 970.33 करोड़ रुपए की कमाई हुई। -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

अधिक बच्चे 'दंडनीय' नहीं

यदि आप दो से अधिक बच्चों के माता-पिता हैं, तो आपको किसी भी सरकारी तथा सामाजिक योजना से वंचित नहीं रखा जा सकता। आपको सरकारी सेवा अथवा नौकरी का भी लाभ मिलता रहेगा। आपको चुनाव लडने को भी 'अयोग्य' करार नहीं दिया जा सकता। बच्चों के प्रजनन और आपकी शारीरिक स्वायत्तता भी संविधान के अनुच्छेद 21 में 'मौलिक अधिकार' के तौर पर दर्ज है। अब यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। अदालत की चिंता यह है कि देश की औसत प्रजनन दर 1.9 हो गई है। अर्थात माता-पिता औसतन 2 बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं। यह 'रिप्लेसमेंट लेवल' (2.1) से भी कम है। यह लेवल वह दर है, जिस पर कोई आबादी बिना घटे ही खुद को बनाए रख सकती है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का निर्णय है कि यदि किसी युगल के घर में 3 बच्चे हैं, तो माता-पिता में से किसी को भी 'दंडित' नहीं किया जा सकता। दंडस्वरूप किसी भी सार्वजनिक लाभ, अवसर, परियोजना से 'वंचित' भी नहीं रखा जा सकता। शीर्ष अदालत के सामने महाराष्ट्र के काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव का मामला था। जब मंगला के 3 बच्चे हुए, तब उन्हें चुनाव लडने के 'अयोग्य' करार दे दिया गया। शीर्ष अदालत ने उस 'अयोग्यता' के फैसले को खारिज किया है। यही नहीं, सर्वोच्च अदालत के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे ने इस मामले को एक उच्च पीठ के पास भी भेज दिया है। 2003 में हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2 से अधिक संतान पैदा करने वालों को चुनाव लडने से वंचित करने के पक्ष में फैसला दिया था। अब उस फैसले पर सर्वोच्च अदालत में व्यापक पुनर्विचार होगा। बहरहाल भारत की आबादी में घटने के कोई भी रुझान या संकेत नहीं हैं, लेकिन बूढ़े, उम्रदराज लोगों की आबादी बढ़ती जा रही है। जनगणना के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर 2022-26 में भारत की उम्रदराज आबादी 15 करोड़ से अधिक होगी। 2036 तक यह संख्या करीब 22.7 करोड़ तक पहुंच सकती है। यह कुल आबादी का 15 फीसदी हिस्सा हो सकता है। 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना और संकल्प पूरा हो अथवा न हो, लेकिन 2050 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या 32-34 करोड़ तक पहुंच सकती है। उस बिंदु के बाद हमारी जनसंख्या घटनी शुरू हो सकती है। फिलहाल हम विश्व के 'सबसे युवा देश' हैं। गौरतलब यह है कि सरसंघचालक मोहन भागवत 'अधिक बच्चे' पैदा करने का आह्वान करते रहे हैं। कुछ साधु-संत किस्म के चेहरे भी 'कम से कम 4 बच्चे' पैदा करने की नसीहत देते रहे हैं। जैन मुनि तक अपने धर्म-अनुयायी भक्तों को अधिक बच्चों को जन्म देने का उपदेश देते रहे हैं, क्योंकि जैन समुदाय 'अत्यंत अल्पसंख्यक' होता जा रहा है। इन आह्वानों और नसीहतों के सरोकार कुछ भी हों, लेकिन उनकी आड़ में सियासत भी जारी रही है। एक वर्ग 'जनसंख्या के असंतुलन' के बयान देकर आरोप चस्पां करता रहा है कि एक खास समुदाय अधिक बच्चे पैदा कर रहा है, लिहाजा देश में आबादी के समीकरण बिल्कुल पलट सकते हैं। बहरहाल हम इन आरोपों को यहीं छोड़ते हैं और संवैधानिक मौलिक अधिकारों का विश्लेषण करते हैं। यदि आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दूसरे बच्चे के लिए 25,000 रुपए, तीसरे बच्चे पर 30,000 रुपए और चौथे बच्चे के लिए 40,000 रुपए नकद देने की हालिया घोषणा की है, तो बुनियादी चिंता यह है कि आंध्र में प्रजनन दर 2 से कम है। भारत में आंध्र के अलावा तमिलनाडु, केरल सरीखे दक्षिणी राज्यों की जनसंख्या अपेक्षाकृत घटी है। कारण कई हैं, जिनमें परिवार नियोजन भी प्रमुख है। वैसे हम अक्सर दो बच्चों वाली नीति का विरोध सुनते आए हैं और कई राज्यों ने इस नीति को स्वीकार करने या लागू करने से ही अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। ऐसे 15 राज्य हैं, जहां कोई भी नीति लागू नहीं है। आंध्र सरकार ने साल भर के मातृत्व अवकाश और दो माह के पितृत्व अवकाश की भी घोषणा की है। बहरहाल शीर्ष अदालत की चिंता समझनी चाहिए। देश में अब जनसंख्या-विस्फोट की स्थिति नहीं है, लिहाजा प्रजनन दर 1.9 हो गई है। बेशक परिवार नियोजन के अनुशासन और परिवार की गुणवत्ता के साथ-साथ प्रजनन दर भी बेहतर रहे, ताकि भारत 'बूढ़ा देश' बनने से बच सके।

आपको सरकारी सेवा अथवा नौकरी का भी लाभ मिलता रहेगा। आपको चुनाव लडने को भी 'अयोग्य' करार नहीं दिया जा सकता। बच्चों के प्रजनन और आपकी शारीरिक स्वायत्तता भी संविधान के अनुच्छेद 21 में 'मौलिक अधिकार' के तौर पर दर्ज है। अब यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। अदालत की चिंता यह है कि देश की औसत प्रजनन दर 1.9 हो गई है। अर्थात माता-पिता औसतन 2 बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं। यह 'रिप्लेसमेंट लेवल' (2.1) से भी कम है। यह लेवल वह दर है, जिस पर कोई आबादी बिना घटे ही खुद को बनाए रख सकती है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का निर्णय है कि यदि किसी युगल के घर में 3 बच्चे हैं, तो माता-पिता में से किसी को भी 'दंडित' नहीं किया जा सकता। दंडस्वरूप किसी भी सार्वजनिक लाभ, अवसर, परियोजना से 'वंचित' भी नहीं रखा जा सकता। शीर्ष अदालत के सामने महाराष्ट्र के काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव का मामला था। जब मंगला के 3 बच्चे हुए, तब उन्हें चुनाव लडने के 'अयोग्य' करार दे दिया गया। शीर्ष अदालत ने उस 'अयोग्यता' के फैसले को खारिज किया है। यही नहीं, सर्वोच्च अदालत के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे ने इस मामले को एक उच्च पीठ के पास भी भेज दिया है। 2003 में हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2 से अधिक संतान पैदा करने वालों को चुनाव लडने से वंचित करने के पक्ष में फैसला दिया था। अब उस फैसले पर सर्वोच्च अदालत में व्यापक पुनर्विचार होगा। बहरहाल भारत की आबादी में घटने के कोई भी रुझान या संकेत नहीं हैं, लेकिन बूढ़े, उम्रदराज लोगों की आबादी बढ़ती जा रही है। जनगणना के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर 2022-26 में भारत की उम्रदराज आबादी 15 करोड़ से अधिक होगी। 2036 तक यह संख्या करीब 22.7 करोड़ तक पहुंच सकती है।

जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति



दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है- जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए? आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा- मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया- मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी। दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हों, मनुष्य को अपने भीतर की लौ को बुझने नहीं देना चाहिए। इस दीपावली घरों के साथ हृदयों को भी सजाएं, चौखट के साथ चेतना को भी संवारें और आकाश में उड़ती रोशनी के साथ अपने भीतर आत्मज्योति को भी प्रज्वलित करें। क्योंकि विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान चमकती सड़कों से नहीं, जाग्रत नागरिकों से होगी।

आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए? आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं।

देश | दुनिया से

अंतस में उजियारा लाने का संदेश देती दीपावली



उमंग उल्लास, हर्ष और उत्साह का पर्व है-दीपावली। भारतीय संस्कृति का वृहद स्वरूप। भगवान धन्वंतरी जयन्ती, नरक चतुर्दशी से लेकर दिवाली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज। कुल मिलाकर पांच दिनों का पर्व। पांचों दिन उत्सव के। उत्सव कब होता है। जब हम प्रसन्न होते हैं। आत्मा नकारात्मकता को छोड़कर सकारात्मकता को अपनाती है। अंतर्मन में अंधकार का निर्वासन और प्रकाश का प्राकट्य होता है। वास्तविक उत्सव यही है। दीपावली पर्व से कई धारणाएं और मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। सुखद आश्चर्य है कि दिवाली का जिक्र सतयुग में है, त्रेता में भी है, द्वापर में भी और कलियुग की कथाओं में भी। कठोपनिषद् में यम-नचिकेता का प्रसंग आता है। कहा जाता है कि नचिकेता यमलोक गए थे और धर्मराज से जीवन-मृत्यु का रहस्य पता करने के बाद, मृत्यु को जीतकर वापस संसार में लौटे थे। उनके यमलोक से आने की खुशी में लोगों ने घी के दिए जलाए थे। माना जाता है कि दीपावली मनाने और दिए जलाने की परंपरा इसी घटना से आरंभ हुई। एक अन्य गाथा के मुताबिक इसी दिन समुद्र मंथन से देवी महालक्ष्मी का प्रादुर्भाव हुआ था। किंवदंती के अनुसार, ऋषि दुर्वासा जी के श्राप के कारण श्रीलक्ष्मी जी को समुद्र में समाना पड़ गया था। संसार के लक्ष्मीविहीन होने पर असुरों ने सुरों पर आक्रमण कर दिया और आध्यात्मिक गतिविधियों को छिन्न-भिन्न कर दिया। इससे संपूर्ण विश्व पर संकट आ था। घबराए देवगणों ने श्रीहरि से याचना की। तब श्रीहरि विष्णु ने समुद्र मंथन करवाने की योजना बनाई। समुद्र मंथन से चौदहवें रत्न के रूप में श्रीलक्ष्मी निकलीं, जिनको श्रीविष्णु ने ग्रहण किया। लक्ष्मी जी के प्रकट होने पर देवता, बल व तेजयुक्त हो गए और उन्होंने असुरों का सर्वनाश कर दिया। लक्ष्मी जी के पुनः अवतरण की इस घटना पर समस्त लोकों में दीपमलिका प्रज्वलित की गई। इस प्रकार से दीपावली का आरंभ हुआ। दीपावली के दिन ही भगवान कृष्ण ने प्रथम बार गाय चराकर, लोगों को गोसेवा करने का संदेश दिया था। पौराणिक गाथाओं के अलावा दीपावली के साथ कुछ ऐतिहासिक घटनाएं भी जुड़ी हैं, जो इस पर्व का महत्व और बढ़ाती हैं। दीपावली के दिन ही आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद और जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर महावीर जी को निर्वाण प्राप्त हुआ था। अपने कार्यों से विश्व को अभिभूत करने वाले महान संत स्वामी रामतीर्थ का जन्म और मृत्यु का अनूठा संयोग भी दिवाली पर ही हुआ था। इसके अतिरिक्त श्रीकृष्ण द्वारा लोककल्याण हेतु गोवर्धन पर्वत धारण करने, भाई दूज पर यम द्वारा अपनी बहन यमुना से मिलने और महाराज विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत् का आरंभ करने की कथाएं भी दिवाली से जुड़ी हैं। दिवाली से जुड़ी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएं अनंत हैं। इन अनंत कथाओं के कारण ही दीपावली सभी वर्गों में लोकप्रिय है। लेकिन दीपावली का केंद्र बिंदु हैं-श्रीराम। वास्तव में दीपावली यदि जन-जन का त्योहार है, तो उसका कारण हैं-श्रीराम। दीपावली से पूर्व रामलीलाओं/रामकथाओं के आयोजनों की परंपरा से ही जनमानस में दीपावली के प्रति उमंग जगती है। सही अर्थों में दीपावली संदेश देती है-भगवान राम के जीवन का अनुकरण करने और उनके संदेशों को आत्मसात कर, आत्मा को परमात्मा बनाने का। रावण द्वारा सीताहरण किए जाने के बाद श्रीराम चाहते तो रावण को कहीं से भी ढूंढ निकालकर दंडित कर सकते थे। यह उन जैसे महामानव के लिए कोई दुष्कर कार्य नहीं था। लेकिन उन्होंने संसार की मर्यादाओं का पालन करते हुए, वानर जैसे छोटे से छोटे चरित्रों की सहायता से जिस संयम से इस पूरी लीला को पूर्णता प्रदान की, वह अनूठी है। हनुमान, सुग्रीव, अंगद, विभीषण के प्रति आत्मीयता और उन्हें सम्मान देने की श्रीराम की प्रवृत्ति अनुकरणीय है। आज हम देखते हैं, कि थोड़ा-सा वैभव, बल और थोड़ी-सी विद्या पाते ही मनुष्य अहंकारी हो जाता है और निर्बलों पर अत्याचार करने लगता है। भगवान राम हमें प्रेरणा देते हैं कि अहंकार रहित होकर और सभी मर्यादाओं का पालन करने में ही मानव का कल्याण निहित है। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। रामायण में उल्लेखित एक-एक प्रसंग हमारी धरोहर है, जिसे आत्मसात कर हम अंधकार, अहंकार और अनिश्चय की स्थिति से निकल सकते हैं। दीपावली राह दिखाती है, कि जिस तरह उच्च मूल्यों की स्थापना करते हुए श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की, उसी प्रकार हम भी अपने अंतर्मन में स्थायी रूप से बैठे दुर्विचारों को नष्ट कर अपनी आत्मा को दीपमलिका से जगमग कर सकते हैं। दीपावली दरअसल आत्मशुद्धि का पर्व है। जब तक हमारा मन शुद्ध नहीं होगा, जब तक हमारा वातावरण शुद्ध नहीं होगा। सामाजिक बुराइयों के प्रति जब तक हम जागरूक नहीं होंगे, हमारे कुविचारों का मैल जब तक नहीं धुलेगा, तब तक दिवाली मनाना, बेमानी होगा। बिना स्वच्छता, बिना प्रकाश कैसी दिवाली, और बिना दिवाली कैसा जीवन। वास्तव में दिवाली हर प्रकार के अंधकार को नष्ट करने का पर्व है। इस पर्व पर घर को साफ-सुथरा करने की परंपरा है, दीप व आतिशबाजी के माध्यम से अंधकार को जीवन से भगाने और मन को आलोकित करने की परंपरा है। हम इन सभी उपक्रमों के जरिए सांस्कृतिक परंपराएं तो निभा लेते हैं, लेकिन भूल जाते हैं कि हमारी संस्कृति में दीपावली का एक अर्थ हमारे परिवेश की स्वच्छता भी है। स्वच्छता एक सकारात्मक शक्ति पुंज है, जो हमें बाहर और भीतर दोनों ओर से महकाती है। यदि हम केवल दिखावे के लिए झाड़ू हाथ में लेकर खड़े हो जाते हैं और सफाई-कर्म हमारे घर तक ही सीमित रखते हैं। तब हम दिवाली के महत्व को नष्ट करते हैं। प्रवृत्ति में सार्थक बदलाव ही दीप पर्व का वास्तविक अर्थ है।

आप का | नजरीया

स्वास्थ्य मानकों के साथ

शुक्र है कि खाद्य सुरक्षा विभाग अपनी चौकसी में इजाफा कर रहा है, वरना यहां तो शहद में भी कीड़े पल जाते हैं। हिमाचल के त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानदंड गिर जाते हैं और मांग-आपूर्ति के बीच नकली सामान इधर से उधर हो जाता है। मंडी शहर में कॉकरोच अगर किसी किचन की सामग्री में मिले, तो ऐसी लापरवाही का लेखा जोखा साल भर होना चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों की आवाजाही साल भर होती है, इसलिए केवल एक उत्सव की चौकसी से काम नहीं चलेगा। सब्जियां, पनीर, खोया, दही, दूध व घी जैसी सामग्री का इस्तेमाल मानकों के अनुसार होना चाहिए, लेकिन बढ़ती मांग के दौरान अकसर जांच परख नहीं होती। प्रदेश में कमोबेश साल भर सडकों के किनारे रेहड़ियों पर बिकता खाद्य सामान कई आशंकाएं पैदा करता है। खुले में टिक्की, समोसा और बर्गर बेचने की केवल मार्गदर्शिका नहीं, बल्कि इन रेहड़ियों की नियमित जांच होनी चाहिए। सबसे अधिक बिक्री वाले मोमो व सिड्डू की बिक्री को निरीक्षण की जरूरत है। अब यह हिसाब तो है नहीं और न ही जागरूकता दिखाई जाती है कि फास्ट फूड हर साल कितने मरीज बढ़ा रहा है, फिर भी कम से कम जांचना यह चाहिए कि पूरे वर्ष पत्ता गोभी, शिमला मिर्च या गाजर की आपूर्ति कहां और किस स्थिति में हो रही है। स्वास्थ्य मानकों के साथ यह तय करना जरूरी है कि किसी भी पर्यटक को हम ऐसा कुछ न खिलाएं जो सेहत के खिलाफ हो। कई तरह सॉल्ट और फूड अनुपूरकों का इस्तेमाल लापरवाही से भी हो रहा है। फॉस्ट फूड ने कुकिंग के मायनों को चंद मिनट में समेट दिया है। ओवर हीटिड तथा शीघ्र अति शीघ्रता से बन रहा स्वाद अकसर अमाशय से आंतडियों तक विषाद पैदा कर रहा है। बेशक इस दौरान डाक्टरों के पास लग रही लंबी कतार केवल खाद्य पदार्थ जनित रोगों से ताल्लुक रखते हैं। हिमाचल में मैदा, पत्ता गोभी, शिमला मिर्च, खोया, पनीर, दूध-दही, चिकन, ब्रेड तथा बेकरी की मांग तीव्रता से बढ़ रही है। दैनिक रूप से देखें तो कई वाहन सुबह सवेरे ऐसी आपूर्ति से अटे आते हैं, लेकिन कहीं कोई चैकिंग का बंदोबस्त नहीं। होना तो यह चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के पहरे रात से सुबह तक चलें। किसी दुकानदार के किचन की जांच होनी चाहिए, लेकिन रात से सुबह तक हजारों टन आ रहे खाद्य पदार्थों का भी तो निरीक्षण हो। यह दीगर है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय खाद्य सुरक्षा के नाम पर कुछ रस्में हो जाती हैं, जबकि एक टूरिस्ट स्टेट की हैसियत में रोजाना खाद्य पदार्थों की आपूर्ति से इनके अंतिम उत्पाद तक की प्रक्रिया को जांचने की पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। इस संबंध में प्रयोगशालाओं को स्तरोन्नत जरूर किया जा रहा है, लेकिन इसे भी चिट्टे की रोकथाम की तरह, अभियान का रूप देना होगा। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल यूनिवर्सिटी को अनुसंधान करते हुए हिमाचल की बदलती खाने पीने की आदतों पर विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट लानी चाहिए। मसलन मोमो की एक रेहड़ी के हिसाब से पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य के कितने खतरे पनप रहे हैं। शिक्षा विभाग को स्कूली पाठ्यक्रम के साथ-साथ खान पान के तौर तरीके, फॉस्ट फूड और बाजार में उपलब्ध हर प्रकार के पैकेजिंग सामान के खतरों से छात्रों में जागरूकता लानी चाहिए। बहरहाल दिवाली की शुभकामनाओं में व्यापार खोजता बाजार जहां खड़ा है, वहां नकली पदार्थों की आमद को रोकने के प्रयास शीघ्रता से होने चाहिए। हिमाचल में निर्मित दवाइयां पहले ही यह साबित कर रही हैं कि प्रदेश का ड्रग कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह सक्षम नहीं है। इसी तरह खाद्य सुरक्षा व नियंत्रण के इंतजाम को सशक्त करते हुए विभागीय सुदृढ़ता चाहिए। आम जनता से भी गुजारिश है कि इस बार दिवाली को स्वास्थ्य व पर्यावरणीय मानकों के साथ मनाएं।

हिमाचल के त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानदंड गिर जाते हैं और मांग-आपूर्ति के बीच नकली सामान इधर से उधर हो जाता है। मंडी शहर में कॉकरोच अगर किसी किचन की सामग्री में मिले, तो ऐसी लापरवाही का लेखा जोखा साल भर होना चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों की आवाजाही साल भर होती है, इसलिए केवल एक उत्सव की चौकसी से काम नहीं चलेगा। सब्जियां, पनीर, खोया, दही, दूध व घी जैसी सामग्री का इस्तेमाल मानकों के अनुसार होना चाहिए, लेकिन बढ़ती मांग के दौरान अकसर जांच परख नहीं होती। प्रदेश में कमोबेश साल भर सडकों के किनारे रेहड़ियों पर बिकता खाद्य सामान कई आशंकाएं पैदा करता है। खुले में टिक्की, समोसा और बर्गर बेचने की केवल मार्गदर्शिका नहीं, बल्कि इन रेहड़ियों की नियमित जांच होनी चाहिए। सबसे अधिक बिक्री वाले मोमो व सिड्डू की बिक्री को निरीक्षण की जरूरत है। अब यह हिसाब तो है नहीं और न ही जागरूकता दिखाई जाती है कि फास्ट फूड हर साल कितने मरीज बढ़ा रहा है, फिर भी कम से कम जांचना यह चाहिए कि पूरे वर्ष पत्ता गोभी, शिमला मिर्च या गाजर की आपूर्ति कहां और किस स्थिति में हो रही है। स्वास्थ्य मानकों के साथ यह तय करना जरूरी है कि किसी भी पर्यटक को हम ऐसा कुछ न खिलाएं जो सेहत के खिलाफ हो। कई तरह सॉल्ट और फूड अनुपूरकों का इस्तेमाल लापरवाही से भी हो रहा है। फॉस्ट फूड ने कुकिंग के मायनों को चंद मिनट में समेट दिया है। ओवर हीटिड तथा शीघ्र अति शीघ्रता से बन रहा स्वाद अकसर अमाशय से आंतडियों तक विषाद पैदा कर रहा है। बेशक इस दौरान डाक्टरों के पास लग रही लंबी कतार केवल खाद्य पदार्थ जनित रोगों से ताल्लुक रखते हैं।

कुछ | अलग

ट्रंप जी मंथन कर रहे हैं...

देखिए ट्रंप साहब हारे नहीं हैं। उनकी कुर्सी को कोई खतरा भी नहीं है। सभी नौ ग्रह मिलकर भी उनके बाल बांका नहीं कर सकते। जो रिजल्ट अभी सामने आए हैं, वे बता रहे हैं कि ट्रंप साहब के खिलाफ जबरदस्त साजिश हुई है। वहां के इलेक्शन कमीशन ने नेगेटिव रोल अदा किया है। चुनाव में जनता का मत इतना महत्व नहीं रखता जितना इलेक्शन कमीशन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वहां इलेक्शन कमीशन की भूमिका संदिग्ध रही है। इलेक्शन कमीशन को चाहिए था कि जो लोग हुकूमत के खिलाफ थे, उनके वोट कट जाने चाहिए थे। क्योंकि इलेक्शन कमीशन ने ऐसा नहीं किया, इसलिए हार के लिए इलेक्शन कमीशन दोषी है। दूसरी बात मतदाताओं ने जिन मतों पर अपनी मोहर लगाई, उनमें ट्रंप साहब की फोटो नहीं थी। अगर मतों पर फोटो होती तो पहले मतदाता ट्रंप साहब को सैल्यूट मारते और उसके बाद उस वोट पर अपना ठप्पा लगाते।

दृष्टि | कोण

जलते हैं वहां गंगा-जमुनी तहजीब के दीप



दीपावली की भरपूर छटा देखनी हो तो गंगा-जमुनी तहजीब के दयार में आना चाहिए। अवध में, जहां यह सूफी संतों की दरगाहों में सबसे अधिक नजर आती है। खासकर विश्वप्रसिद्ध देवा शरीफ और किछौछा शरीफ में। देवा शरीफ उत्तर प्रदेश की वर्तमान और अवध की पुरानी राजधानी लखनऊ से बयालीस किलोमीटर तथा 'अवध का हृदय' कहलाने वाले बाराबंकी जिले के मुख्यालय से महज बारह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि किछौछा शरीफ फैजाबाद (अब अयोध्या) जिले को विभाजित करके बनाए गए अंबेडकरनगर जिले में स्थित है। देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर 'जो रब है वही राम है' के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाने लगता है तो किसी को भी अपना हिंदू, सिख या मुसलमान वगैरह होना याद नहीं रह जाता! इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आए विभिन्न धर्मों, बोलियों और भाषाओं के अनुयायी लौटते समय अपने साथ और कुछ ले जाएं या नहीं, अनेकता में एकता, शांति और सौहार्द के संदेश जरूर ले जाते हैं। यह दरगाह अवध के अपने समय के जाने-माने सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की कर्मस्थली है, जिन्हें वारिस सरकार के नाम से भी जाना जाता है। दरगाह के दरवाजे को 'कौमी एकता का दर' कहा जाता है। यहां कौमी एकता को बढ़ावा देने वाले नारे लगाए जाते हैं। कई लोग इसकी परंपराओं को अवध के नवाबों, खासकर नवाब वाजिद अली शाह और उनकी बेगम हजरत महल द्वारा पाली-

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम की मौजूदगी में देशभर में गूंजा गीत *कहीं नहीं जाएंगे मोदी*



बीकानेर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता एवं उनकी कर्मयोगी कार्यशैली को समर्पित गीत *कहीं नहीं जाएंगे मोदी* आज देशभर में लोकप्रियता हासिल कर चुका है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल एवं गंगाशहर मंडल के कार्यकर्ता मुल्तान बेद द्वारा गाए गए इस गीत को प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार मिला। करोड़ों लोगों तक पहुंचा यह गीत आज भाजपा के कार्यकर्ताओं की जुबान पर है और जनभावनाओं की आवाज बनकर गूंज रहा है। इस गीत के निर्माण में अपनी प्रतिभा, परिश्रम एवं रचनात्मक योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि *कहीं नहीं जाएंगे मोदी* गीत हमारे कार्यकर्ता द्वारा तैयार किया गया है। इस गीत को पहली बार कुणाल कोचर के निवास पर गाया गया था। इसके बाद स्टूडियो में पेटी एवं अन्य वाद्य यंत्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके कार्यों को जोड़ते हुए इसे रिकॉर्ड किया गया। उन्होंने कहा कि इस गीत को देशभर में अपार लोकप्रियता मिली है और लोगों ने इसे खूब पसंद किया है। जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि कुणाल कोचर के निवास पर आयोजित सम्मान समारोह में गीत के निर्माण एवं प्रसार में योगदान देने वाले सहयोगियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जयचंदलाल डागा, सत्यप्रकाश आचार्य, मोहन सुराणा, पंकज गहलोत, भूपेंद्र शर्मा, अशोक प्रजापत, जतिन सहल, प्रकाश मेघवाल, विशाल गोलछा, अमित चोपड़ा, सुशील शर्मा एवं विमल पारीक उपस्थित रहे।

मतदाता सूची से नाम कटा है तो घबराएं नहीं, नाम जुड़वाने का एक और मौका

नारनौल (हिंस)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके लिए राहत की खबर है। चुनाव आयोग ने ऐसे पात्र मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने का एक और अवसर देने का निर्णय लिया है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने शनिवार को जिले के सभी पात्र नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। उपायुक्त ने बताया कि यह अवसर विशेष रूप से उन मतदाताओं के लिए है, जिन्हें गणना फॉर्म उपलब्ध करवाए गए थे, लेकिन वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म भरकर वापस नहीं कर सके। ऐसे मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि (एएसडीडी) की श्रेणी में रखकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाताओं की बूथवार सूची तैयार कर दोबारा सार्वजनिक की जाएगी। इस सूची में नाम शामिल नहीं होने के संभावित कारणों का भी उल्लेख होगा। नागरिक यह सूची अपने मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड, पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालयों में देख सकेंगे। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी सूची पीडीएफ के रूप में उपलब्ध करवाई जाएगी। मतदाता ऑनलाइन ईसीआईनेट के माध्यम से ई-साइन के साथ अपना फॉर्म जमा कर सकते हैं। इसके अलावा बीएलओ से संपर्क करने के लिए चुनाव आयोग की वेबसाइट और ऐप पर *बुक ए कॉल विद बीएलओ* सुविधा भी उपलब्ध है।

भाजपा विधाायक ने अखिलेश यादव से मथुरा में कृष्ण मंदिर बनवाने में सहयोग का किया आग्रह, चुनौती भी दी



जौनपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनवाने में सहयोग करने का आग्रह किया है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सनातन और धर्म की बात करते हैं तो उन्हें मथुरा में कृष्ण मंदिर निर्माण के लिए भी खुलकर आवाज उठानी चाहिए। विधायक ने कहा कि अखिलेश यादव कई बार काशी विश्वनाथ आए, लेकिन उन्होंने दर्शन नहीं किए। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव ने मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण और अयोध्या में रामलला के भी दर्शन नहीं किए होंगे। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव वास्तव में सनातन धर्म में आस्था रखते हैं तो उन्हें मथुरा में मंदिर निर्माण के लिए सहयोग करना चाहिए। रमेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि मथुरा में मस्जिद का निर्माण गलत तरीके से हुआ है और वहां अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने कहा कि वहां से मस्जिद हटाकर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनाया जाना चाहिए। विधायक के मुताबिक, मथुरा का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जिस तरह अयोध्या मामले में न्यायालय का फैसला आया, उसी तरह मथुरा मामले में भी फैसला आएगा और वहां कृष्ण मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने विपक्षी दलों से भी इस मुद्दे पर सहयोग करने की अपील की। वहीं, धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक ने कहा कि उनकी बात को घुमा-फिराकर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सभी ईश्वर और भगवान को मानते हैं। सनातन धर्म में सभी देवी-देवताओं की मान्यता है।

मुख्यमंत्री के बयान पर गहलोत का पलटवार

बोले, बातों से धक्का नहीं, पीड़ा हुई

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर पहुंचे। दिल्ली से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे गहलोत का कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी देखने को मिली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान के बाद गहलोत के जोधपुर आगमन पर कांग्रेस नेताओं की जुटी भीड़ को उनके समर्थन में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा गया। अपने नेता के प्रति एकजुटता जताने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेसी एयरपोर्ट पहुंचे और गहलोत का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की बातों से उन्हें धक्का नहीं लगा, बल्कि पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से उनका लगाव और प्रेम रहा है, इसलिए उनकी टिप्पणी से व्यक्तिगत पीड़ा हुई। गहलोत ने मुख्यमंत्री को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें आम जनता से माफी मांग लेनी चाहिए, तभी जनता उन्हें माफ कर सकती है।

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने किया संवाद : जोड़बीड़ आवासीय योजना में मकान बनाने वाले पहले आवंटियों को मिलेंगी कई राहतें

बीकानेर (हिंस)। जोड़बीड़ आवासीय योजना में मकान बनाकर रहने वाले पहले 21 आवंटियों को बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 70 हजार रुपए निर्माण शुल्क (लेबर सेस के अलावा) की छूट दी जाएगी। साथ ही इन इक्कीस आवंटियों के घरों में 50 हजार रुपए की लागत से रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण भी बीडीए द्वारा ही करवाया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने शनिवार को जोड़बीड़ आवासीय योजना में आयोजित जनसुनवाई एवं संवाद कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। इस दौरान बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त स्नेहल धायगुड़े नाना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) उम्मेद सिंह रतनू, बीडीए उपायुक्त कुणाल राहड़, उप महापौर पंकज गहलोत, तेजा राम मेघवाल, अधिशासी अभियंता वंदना शर्मा, निदेशक (प्लानिंग) पुनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी और आवंटी मौजूद रहे। इस दौरान गोदारा ने कहा कि स्थानीय बीडीए प्रशासन के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। यहां लगभग 5600 भूखंड हैं। इन सभी भूखण्डों पर मकान बनने पर यह बहुत बड़ी आवासीय योजना का रूप ले लेगी। उन्होंने कहा कि इस आवासीय योजना का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें धन और संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। बीडीए आयुक्त ने बताया कि कॉलोनी के ब्लॉक्स के डिमार्केशन का कार्य किया जा रहा है। कॉलोनी परिसर में सड़कों के लिए 9 करोड़ रुपए स्वीकृत करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

पीएचडीसीसीआई ने अमृतसर सेंट्रल जेल में महिला बंदियों व उनके बच्चों के साथ मनाई दीपावली

अमृतसर (हिंस)। पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के पंजाब स्टेट चैप्टर ने अपने प्रोजेक्ट उड़ान के तहत, स्टूडियो बाय हिमानी अरोड़ा के सहयोग से शनिवार को अमृतसर सेंट्रल जेल में महिला कैदियों और उनके बच्चों के साथ दिवाली मनाई। इस पहल का नेतृत्व पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री पंजाब स्टेट चैप्टर की को-चेयर, हिमानी अरोड़ा ने किया। उन्होंने बताया कि महिला कैदियों और उनके बच्चों के साथ दिवाली मनाना एक बेहद भावुक और सार्थक अनुभव था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि त्योहार खुशियां, करुणा और अपनापन फैलाने का अवसर होते हैं। हर इंसान सम्मान, देखभाल और साथ होने की आत्मीयता पाने का हकदार है। कार्यक्रम का उद्देश्य कैदियों और उनके बच्चों के जीवन में त्योहार की खुशियां लाना था, ताकि वे भी दिवाली के आनंद और उत्साह को महसूस कर सकें। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे के साथ त्योहार की खुशियां बांटीं और उपहार दिए, जिससे सबके चेहरों पर मुस्कान आई और कुछ यादगार पल बने। अमृतसर सेंट्रल जेल के अधीक्षक राजीव कुमार अरोड़ा ने पीएचडीसीसीआई की इस नेक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिला कैदियों और उनके बच्चों के बीच सकारात्मकता और भावनात्मक भलाई को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक सहयोगी माहौल बनाने में बहुत महत्वपूर्ण हैं। पीएचडीसीसीआई सचिवालय की ओर से सीनियर असिस्टेंट सेक्रेटरी सुमित कुमार इस कार्यक्रम में शामिल हुए। *प्रोजेक्ट उड़ान* के तहत पीएचडीसीसीआई व स्टूडियो बाय हिमानी अरोड़ा मिलकर महिला कैदियों के लिए एक स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) कार्यक्रम चला रहे हैं।

अमेरिका में डिटेन हुआ लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य हरि बॉक्सर



जयपुर (हिंस)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य हरिचंद जाट उर्फ हरि बॉक्सर को राजस्थान पुलिस की एटीएस-एजीटीएफ के प्रयासों से अमेरिकी एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने डिटेन कर लिया है। अब उसे भारत लाने की कार्रवाई जारी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस/एजीटीएफ/एएनटीएफ) दिनेश एमएन के अनुसार आरोपित विदेश में बैठकर राजस्थान सहित छह राज्यों में रंगदारी, हत्या और फायरिंग की वारदातों का संचालन कर रहा था। वह लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के लिए हथियारों की आपूर्ति भी करता था। चालीस वर्षीय हरिचंद जाट निवासी चतरपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ अप्रैल 2023 में अपने पासपोर्ट से विदेश फरार हो गया था। वह राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में रंगदारी की धमकियों और फायरिंग के मामलों में वांछित है। मुंबई में बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग करवाने के बाद उसने सोशल मीडिया पर इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। गैंग के सदस्य व्हाट्सऐप और सिग्नल के जरिए वीओआईपी कॉल तथा वीपीएन का इस्तेमाल कर व्यापारियों से रंगदारी मांगते हैं और रकम नहीं देने पर गोलीबारी करवाते हैं। आरोपित के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, चोरी और मारपीट सहित 22 से अधिक मामले दर्ज हैं। आर्म्स एक्ट के प्रकरण में वांछित होने पर 14 नवंबर 2024 को सीबीआई और इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया गया था। जांच में सामने आया कि वह दुबई से डोमिनिकन रिपब्लिक, फिर गुयाना और मैक्सिको बॉर्डर के रास्ते डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा और कैलिफोर्निया में रहने लगा। फरवरी 2025 में गुयाना में लोकेशन मिलने पर उसके खिलाफ प्रोविजनल अरेस्ट रिक्वेस्ट भेजी गई, लेकिन वह वहां से फरार हो गया। एजीटीएफ ने सीबीआई के माध्यम से करीब पांच देशों को 14 इंटरपोल रेफरेंस भेजे तथा दिसंबर 2024 से जुलाई 2026 के बीच अमेरिका को नौ इंटरपोल नोटिस भेजे। इसके अलावा 21 फरवरी 2025 को गिरफ्तारी अनुरोध, 19 अगस्त 2026 को अद्यतन डोजियर और 29 अक्टूबर 2026 को फिंगरप्रिंट उपलब्ध करवाए गए। तकनीकी टीम ने विदेशी मोबाइल नंबरों का विश्लेषण कर अहम सूचनाएं जुटाईं। आरोपी भारत से पासपोर्ट नंबर - 6875815 के जरिए फरार हुआ था। इस कार्रवाई में डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन में एएसपी सिद्धांत शर्मा, डीएसपी रविन्द्र प्रताप, निरीक्षक सुनील जांगिड़, मनीष शर्मा और रामविलास विश्नोई की टीम की अहम भूमिका रही। वहीं इंटरपोल शाखा के एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के नेतृत्व में कमलपुरी, उम्मेद सिंह, रमेश कुमार, संतोष टेलर, महावीर प्रसाद, सुभाष, श्रवण, सुरेन्द्र और सावित्री सहित टीम ने दस्तावेजी और अंतर्राष्ट्रीय समन्वय का काम संभाला। तकनीकी टीम के मोहन भूरिया और जगसीर सिंह ने भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। आरोपी को भारत लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

हरियाणा में रोक के बावजूद किसान जला रहे पराली

चंडीगढ़ (हिंस)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच हरियाणा सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है। प्रदेश में पराली जलाने के नौ नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही इस सीजन में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है। खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने में लापरवाही बरतने वाले 45 नोडल अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सरकार ने किसानों के साथ-साथ जिम्मेदारी में कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को कैथल जिले में पराली जलाने के सबसे ज्यादा चार नए मामले सामने आए। यह मामले गुहला और राजौंद क्षेत्र के हैं। इसके अलावा फतेहाबाद के जाखल, करनाल के निसिंग, कुरुक्षेत्र के पिहोवा, सिरसा और यमुनानगर के जगाधरी में एक-एक मामला दर्ज किया गया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीमें इन घटनाओं की जांच कर रही हैं। विभाग के अनुसार, अब तक पराली जलाने से जुड़े 77 मामलों की जांच की जा चुकी है। इनमें 41 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। इसके बाद 32 किसानों पर कुल 1.95 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इनमें से 1.40 लाख रुपए की वसूली भी की जा चुकी है। वहीं, अब तक 24 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई हैं और 11 किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन निगरानी में लापरवाही सामने आने पर विभाग ने 45 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इनमें कुरुक्षेत्र के 15 और कैथल के आठ अधिकारी शामिल हैं। अंबाला, हांसी और जींद में 4-4 अधिकारियों को नोटिस दिए गए हैं। इसके अलावा हिसार, करनाल, रोहतक और यमुनानगर में 2-2 अधिकारियों से जवाब मांगा गया है।

गाजियाबाद पुलिस चौकी में धमाके की जांच एटीएस शुरू की, तहरीक उल मुजाहिदीन हिंदुस्तान ने ली जिम्मेदारी



गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले की वसुंधरा पुलिस चौकी में शुक्रवार रात हुए धमाके की जिम्मेदारी तहरीक उल मुजाहिदीन हिंदुस्तान नाम के एक संगठन ने ली है। यूपी की एटीएस और अन्य जांच एजेंसियों ने घटना की जांच तेज कर दी है। गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ और यूपी एटीएस टीम के साथ ही तमाम बड़े अफसरों ने शनिवार को चौकी का दौरा किया। यह हादसा है या फिर साजिश, अभी यह साफ नहीं है। इसी बीच एक संगठन ने सोशल मीडिया पर वसुंधरा पुलिस चौकी के अंदर हुए धमाके की जिम्मेदारी ली है लेकिन पुलिस की ओर से अभी तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। यूपी एटीएस और आईबी की टीमें घटना की जांच कर रही हैं। साथ ही सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच चल रही है। पुलिस कमिश्नर ने पत्रकारों को बताया कि शुक्रवार रात को सूचना मिली कि इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वसुंधरा पुलिस चौकी की पिछली दीवार के पास धमाका हुआ है। उस समय वहां मौजूद एक सब-इंस्पेक्टर और एक डिलीवरी बॉय घायल हो गये थे। इसके बाद जांच शुरू की गई। बम डिस्पोजल स्क्वॉड, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम अभी भी मौके से सबूत जुटा रही हैं। जांच में अभी तक धमाके के कारण का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि धमाका कैसे हुआ। डिलीवरी के लिए आए एक डिलीवरी बॉय को मामूली चोटें आई हैं। एटीएस की जांच पर उन्होंने कहा कि जांच के दौरान बाकी सभी पहलुओं को भी देखा जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस समेत कई अन्य एजेंसियां भी मौके पर मौजूद हैं। बारीकी से जांच की जा रही है। वसुंधरा चौकी में हुए धमाके की जांच के लिए शनिवार को बम निरोधक दस्ता नमूने एकत्र किए हैं। आशंका जताई है कि विस्फोटक सामग्री से धमाका हुआ है।

बिहार में वर्ष 2030 से पहले रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित करने का लक्ष्य : सम्राट चौधरी

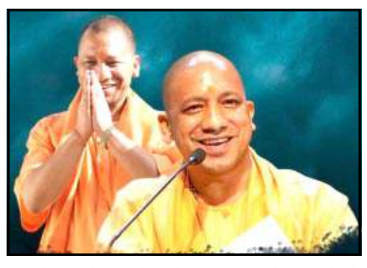


पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार शाम मुंगेर जिले के बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर स्थित श्री श्री 108 बड़ी दुर्गा महारानी मंदिर परिसर में दीपावली की पूर्व संध्या पर दीप प्रज्ज्वलित कर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को विकसित बनाने के लिए निरंतर विकास कार्यों में जुटे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बिहार को समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम किए हैं। वर्तमान सरकार उनकी ओर से शुरू किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने गंगा नदी में आने वाली बाढ़ और इससे किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि दशहरा के समय नेपाल की तराई और सोन नदी से आने वाला पानी गंगा में मिला, जिससे कई क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न हुई। गंगा के जल का समुचित प्रबंधन और उपयोग किसानों के हित में बेहद जरूरी है। इसके लिए दो नवंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। गंगा से गाद निकालने और जल प्रबंधन के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा के पानी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर बांध और जल संरचनाएं बनाकर पानी खेतों तक पहुंचाने की योजना है। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा और उनकी खुशहाली बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मुंगेर और भागलपुर के बीच करीब 83 किलोमीटर लंबे मरीन ड्राइव का निर्माण शुरू किया जाएगा। इससे क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और विकास की नई संभावनाएं पैदा होंगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि मुंगेर की धरती से निकलकर प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में बिहार की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य में उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 से पहले ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे बिहार के किसी भी व्यक्ति को मजबूरी में मजदूरी करने के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। बेहतर नौकरी, व्यवसाय और रोजगार के अवसर राज्य में ही उपलब्ध कराए जाएंगे। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में एक करोड़ परिवारों को उद्यमी बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है। बिहार में उद्योगों का विस्तार होगा, निवेश बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने मां लक्ष्मी, भगवान श्रीराम, मां दुर्गा और मां सरस्वती से बिहार की निरंतर प्रगति, समृद्धि और राज्य के प्रत्येक परिवार की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कल्याणपुर में भव्य और ऐतिहासिक दीपोत्सव के आयोजन के लिए यूथ क्लब, प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. नीतीश चंद्र दुबे और स्थानीय लोगों को बधाई दी। साथ ही सभी बिहारवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

योगी सरकार का राज्य कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा, महंगाई भत्ता बढ़ाकर 63 प्रतिशत किया

1 जुलाई 2026 से मिलेगा बढ़े हुए डीए का लाभ, नवंबर के नियमित वेतन के साथ होगा भुगतान

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली के अवसर पर बड़ी सौगात दी है। प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यप्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमान पर कार्यरत पदधारकों का महंगाई भत्ता (डीए) 03 प्रतिशत बढ़ा दिया है। अब कर्मचारियों को 60 प्रतिशत के स्थान पर 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। बढ़ी हुई दर 01 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। इस संबंध में शासनादेश भी शनिवार को जारी किया गया है। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान नवंबर 2026 के नियमित वेतन के साथ किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के



लाखों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। योगी सरकार का यह निर्णय प्रदेश के नियमित कर्मचारियों के साथ सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों और अन्य पात्र कर्मचारी वर्गों को भी राहत देने वाला है। चार महीने के एरियर के भुगतान की व्यवस्था भी तयशासनादेश के अनुसार, 01 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़े हुए महंगाई भत्ते के एरियर के भुगतान के लिए अलग-अलग श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए व्यवस्था निर्धारित की गई है। सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) से जुड़े कर्मचारियों के एरियर की राशि आयकर एवं सरचार्ज की कटौती के बाद निर्धारित सीमा के अंतर्गत उनके भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यह राशि 01 नवंबर 2027 तक खाते में जमा रहेगी। विशेष परिस्थितियों में अंतिम प्रत्याहरण के नियम लागू होंगे। एनपीएस कर्मचारियों के लिए भी निर्धारित हुआ लाभ राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से आच्छादित कर्मचारियों के मामले में एरियर की 10 प्रतिशत राशि उनके टियर-01 पेंशन खाते में जमा की जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार नियोक्ता के रूप में एरियर की 14 प्रतिशत राशि के बराबर अंशदान भी टियर-01 खाते में जमा करेगी। शेष 90 प्रतिशत राशि पीपीएफ खाते में जमा कराई जाएगी अथवा एनएससी के रूप में दी जाएगी। एनएससी उपलब्ध न होने की स्थिति में संबंधित राशि नकद प्रदान की जाएगी। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पूरा एरियर नकदसरकार ने सेवानिवृत्त और सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके कर्मचारियों को विशेष राहत दी है। शासनादेश जारी होने से पहले जिन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त हो चुकी हैं, जो 01 जुलाई 2026 से शासनादेश जारी होने की तारीख के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं अथवा अगले छह माह के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें महंगाई भत्ते के बकाए की पूरी धनराशि नकद दी जाएगी।

छठ की लोक आस्था और संस्कृति के रंगों से सजेगा किशनगंज, 12 नवंबर को भास्कर महोत्सव का भव्य आयोजन

किशनगंज (हिंस)। छठ महापर्व की लोक आस्था, धार्मिक परंपरा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किशनगंज में भास्कर महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के निर्देश पर सांस्कृतिक कैलेंडर-2026 के तहत आगामी 12 नवंबर को खगड़ा स्थित सम्राट अशोक भवन में एक दिवसीय महोत्सव आयोजित होगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा। जिलाधिकारी नवीन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में छठ महापर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। महोत्सव के दौरान छठ से जुड़ी लोक परंपराओं, रीति-रिवाजों, पारंपरिक गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में लोक आस्था के महापर्व छठ के विभिन्न पहलुओं को सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के जरिए प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसके माध्यम से प्रकृति और सूर्योपासना के महत्व के साथ स्वच्छता, अनुशासन, श्रद्धा तथा सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया जाएगा। जिला प्रशासन के अनुसार भास्कर महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले की समृद्ध लोक संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन करना है। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। महोत्सव स्थानीय कलाकारों के लिए भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक बेहतर मंच साबित होगा। छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान के साथ करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। इस पर्व में प्रकृति के प्रति सम्मान, स्वच्छता, संयम और सामाजिक एकता की अनूठी झलक देखने को मिलती है। जिला प्रशासन की ओर से महोत्सव को आकर्षक, सुव्यवस्थित और सफल बनाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन ने आयोजन में आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित कर जिले की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा है।



धनतेरस बीतते ही सर्राफा बाजार में आई गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

धनतेरस बीतते ही नरक चतुर्दशी के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,580 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में जल्द लान्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है।



इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस माडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कान्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कान्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है। तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बाटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

हीरो मोटोकार्प ने नई हार्ले-डेविडसन एक्स 350 टी से पर्दा उठाया



नई दिल्ली। इटली में आयोजित ईआईसीएमए 2026 में हीरो मोटोकार्प ने नई हार्ले-डेविडसन एक्स 350 टी से पर्दा उठा दिया है। माना जा रहा है कि इसे जल्द ही भारतीय बाजार में बिक्री के लिए उतारा जा सकता है। यह कंपनी की एक नई रोडस्टर बाइक है, जिसे मौजूदा एक्स 440 टी के मुकाबले छोटे इंजन के साथ तैयार किया गया है। नई एक्स 350 टी का डिजाइन काफी हद तक एक्स 440 टी से मिलता-जुलता है, जिसमें पिछले साल पेश की गई एक्स 440 टी के कई डिजाइन और बेहतर फिनिश को बरकरार रखा गया है। हालांकि, लागत और इंजन क्षमता के अनुरूप कुछ बदलाव किए गए हैं, जैसे इंजन के फिन्स और अलाय व्हील्स पर मशीनी फिनिश का अभाव, और सामान्य रियर-व्यू मिरर का उपयोग। इन बदलावों के बावजूद बाइक का समग्र डिजाइन और फीचर काफी हद तक एक्स 440 टी जैसा ही है। इसमें 350सीसी का एयर-आयल कूल्ड इंजन दिया गया है। कंपनी ने अभी इसके पावर और टार्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, यह एक्स 440 टी के 27 हार्सपावर और 38 एनएम टार्क से कम रहने की उम्मीद है।

अमेजन को टिकटाक की सीधी टक्कर, शाप से बदला लेने को तैयार



नई दिल्ली। अमेजन और टिकटाक के बीच टेक जगत में द ग्रेट ई-कामर्स और सोशल कापीकैप वार तेज हो गया है। अमेजन के वीडियो-आधारित शापिंग फीचर की विफलता के बाद, अब टिकटाक ने ई-कामर्स में कदम रखकर अमेजन को सीधा मुकाबला देने की तैयारी कर ली है। दोनों ही कंपनियां एक-दूसरे के मुख्य व्यवसाय पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रही हैं। इसकी शुरुआत अमेजन ने की थी। कंपनी ने युवा पीढ़ी की वीडियो-आधारित खरीदारी प्रवृत्ति को देखते हुए, टिकटाक के शार्ट-वीडियो फार्मेट से प्रेरित होकर अमेजान इंस्पायर लान्च किया था। इसका उद्देश्य ऐप के भीतर वीडियो देखते हुए सीधे खरीदारी की सुविधा देना था। हालांकि, यह फीचर सफल नहीं हुआ और 18 फरवरी 2025 को इसे आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। इसके जवाब में टिकटाक अब टिक टाक शाप के नाम से अपना ई-कामर्स प्लेटफार्म तैयार कर रहा है, जो सीधे अमेजन के मुख्य व्यवसाय को चुनौती देगा। बाइटडांस स्वामित्व वाली यह कंपनी सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और फिलीपींस जैसे देशों में चुपचाप इसे लान्च कर चुकी है। एप्पल और एंड्राइड पर उपलब्ध इस ऐप में अमेजन की तरह सर्च बार, कार्ट और प्रोडक्ट कैटलाग मौजूद हैं। इतना ही नहीं, टिकटाक ने अब अपने वेयरहाउस भी बनाए हैं और पैकेजिंग व डिलीवरी चेन भी तैयार की है ताकि ग्राहकों तक सामान सीधे पहुंच सके।

एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई एफडी दरें, वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा 7.20 फीसदी तक ब्याज

4 नवंबर से लागू हुई नई दरें, ग्राहकों को 0.50 फीसदी तक अधिक रिटर्न



नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े निजी बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को राहत देते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। बैंक ने विभिन्न अवधियों की एफडी पर ब्याज दरों में अधिकतम 0.50 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जो 4 नवंबर से लागू हो गई हैं। यह कदम विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और छोटी व मध्यम अवधि की जमा पर निवेश करने वालों के लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि उन्हें अपनी बचत पर अब बेहतर रिटर्न मिलेगा। खबर: एचडीएफसी बैंक की ओर से की गई यह ब्याज दर बढ़ोतरी तीन करोड़ रुपये से कम की जमा राशि वाली एफडी पर लागू होगी। नई दरों के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों को पांच साल की अवधि वाली एफडी पर अब अधिकतम 7.20 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जाएगा, जो उन्हें बेहतर रिटर्न अर्जित करने का अवसर प्रदान करेगा। सामान्य ग्राहकों के लिए भी कई अवधियों में ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। बैंक ने सबसे ज्यादा बढ़ोतरी छोटी और मध्यम अवधि की एफडी में की है।

61 दिनों से छह महीने तक की जमा पर ब्याज दर को 4.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो सीधे 0.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसी तरह, छह महीने एक दिन से नौ महीने तक की एफडी पर अब 5.65 प्रतिशत और नौ महीने एक दिन से एक साल से कम अवधि वाली एफडी पर 5.90 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जिससे निवेशकों को इस अवधि में भी बेहतर कमाई का मौका मिलेगा। एक साल से अधिक अवधि की एफडी पर भी नई दरें लागू हुई हैं। एक साल से 15 महीने से कम अवधि वाली जमा पर 6.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वहीं, 15 महीने से 18 महीने से कम अवधि की एफडी पर ब्याज दर 6.35 प्रतिशत रखी गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, बैंक ने तीन साल एक दिन से पांच साल तक की एफडी पर 7.20 प्रतिशत सालाना ब्याज दर तय की है, जो सामान्य ग्राहकों की तुलना में काफी अधिक है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक पांच साल के लिए 10 लाख रुपये की एफडी कराता है, तो उसे 7.20 प्रतिशत की दर से सामान्य ग्राहक के मुकाबले लगभग 41,521 रुपये अधिक ब्याज मिलेगा।

लाभांश की बहार: अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश, 9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका



नई दिल्ली । अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और आरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रापसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को आरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डा. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रापसाइंस, गाडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर शेयर की कीमत में लाभांश के बराबर समायोजन होता है, जिससे निश्चित मुनाफे की गारंटी नहीं होती।

नेटफ्लिक्स ने इस साल करीब 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला



मनोरंजन उद्योग में छंटनी का दौर, स्ट्रीमिंग के वादे से उलट हकीकत

एंटरटेनमेंट कंपनियों का लागत कम करने, टीमों का विलय करने पर जोर

नई दिल्ली

कुछ साल पहले तक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म्स का तेजी से बढ़ता कारोबार मनोरंजन उद्योग में हजारों नई नौकरियों के अवसर लेकर आया था। नेटफ्लिक्स, डिज्नी+ और अमेज़न प्राइम वीडियो जैसी कंपनियां नए शो और फिल्मों के निर्माण में जुटी थीं, जिससे कंटेंट, मार्केटिंग, टेक्नोलाजी और प्रोडक्शन जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भर्ती हो रही थी, लेकिन अब यह तस्वीर बदल रही है। दुनिया की प्रमुख एंटरटेनमेंट कंपनियां लागत कम करने, टीमों का विलय करने और कामकाज के तरीकों को बदलने पर जोर दे रही हैं, जिसका सीधा असर कर्मचारियों की नौकरियों पर पड़ रहा है। इसकी शुरुआत डिज्नी जैसे बड़े नाम से हो रही है, जो एक बार फिर बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी कर रहा है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक कंपनी हजारों नौकरियों में कटौती पर विचार कर रही है और अपने प्रबंधकों से सालाना परिचालन खर्च में 20 फीसदी तक की बचत के तरीके तलाशने को कहा गया है। यह बचत कर्मचारियों की संख्या घटाकर और अन्य खर्चों में कटौती करके हासिल की जाएगी। इससे पहले भी, अप्रैल में डिज्नी ने करीब 1,000 पदों पर कटौती की योजना बनाई थी, जिसका असर मुख्य रूप से मार्केटिंग डिविजन पर पड़ने की आशंका थी। सितंबर में भी ह्यूमन रिसोर्स और टेक्नोलाजी टीमों के कुछ सौ कर्मचारियों की नौकरी जाने की खबरें थीं। डिज्नी का यह बदलाव केवल स्ट्रीमिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी के टेलीविजन चैनल, थीम पार्क और फिल्म स्टूडियो जैसे व्यवसाय भी इस दबाव का सामना कर रहे हैं।

स्ट्रीमिंग कारोबार की एक और दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स भी इस छंटनी के दौर से अछूती नहीं रही। हाल के वर्षों में कंपनी ने लगभग 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जो उसकी कुल वर्कफोर्स का लगभग 6 फीसदी था। इस छंटनी से प्रोडक्ट, टेक्नोलाजी, लीगल और ह्यूमन रिसोर्स जैसी टीमें प्रभावित हुईं। नेटफ्लिक्स अब केवल सब्सक्रिप्शन से होने वाली कमाई पर निर्भर नहीं रहना चाहती। कंपनी विज्ञापन, लाइव प्रोग्रामिंग और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में भी निवेश कर रही है ताकि कमाई के नए रास्ते खुल सकें। इसके साथ ही, कंपनी एआई से जुड़ी फिल्ममेकिंग टेक्नोलाजी में भी पैसा लगा रही है।

पृष्ठ तीन का शेष

लाखों दीपों से ...

500 साल के गुलामी के कालखंड में मन में यह था कि श्री राम विराजमान हो पाएंगे या नहीं, लेकिन कारसेवकों व संतों ने बलिदान दिया और विहिप के अशोक सिंहल के नेतृत्व में यह संभव हुआ। इस समारोह के बाद उपराष्ट्रपति सभी अतिथि सरयू घाट पहुंच कर आरती की और दीपोत्सव में 18 लाख दीपों के प्रज्जवलन कर बनाए गए विश्व रिकार्ड को भी देखा। इस अवसर पर प्रदेश के कई मंत्री और प्रमुख संत व धर्माचार्य, अतिथि शामिल हुए। दीपोत्सव समारोह से पूर्व त्रेतायुग की परंपरा को साकार करते हुए भगवान श्री सीताराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूप पुष्पक विमान रूपी हेलिकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की अगवानी की। इसके बाद भगवान श्री सीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुंचे। खास बात यह रही कि इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया। त्रेतायुग की इस परंपरा के सजीव मंचन ने श्रद्धालुओं को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया।

हर साल की तरह ...

के वीर जवानों के बीच में जाना नित्यक्रम है। इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, पीएम मोदी ने धनतेरस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि धनतेरस पर सभी देशवासियों को ढेर सारी खुशियों की शुभकामनाएं। भगवान धन्वंतरि की कृपा हमेशा सभी के जीवन को खुशी, शांति और अच्छी सेहत से भर दे। हर घर में खुशी और आनंद की लौ जलती रहे—यही मेरी दिल से दुआ है। मैं धन्वंतरि को नमन करता हूं, जो आदि देवता हैं, जिनके चरणों की पूजा देवता और राक्षस दोनों करते हैं। वे ऐसे भगवान हैं जो कई तरह की औषधीय जड़ी-बूटियां देते हैं और इस दुनिया से बुढ़ापा, बीमारी, डर और मौत को दूर करते हैं।

सब सांविधानिक रूप...

की वापसी का स्वागत करेंगे। साल 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में अपनी राय रखते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि उस दौरान 21 महीनों तक लोकतांत्रिक अधिकार सीमित कर दिए गए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में आम चुनाव कराने का फैसला किया। सोनिया गांधी ने कहा कि इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था। उन्होंने उस समय के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी तेजी से बिगड़ती परिस्थितियों से निपटने की कोशिश कर रही थीं।

कैंसर की 1000 से ...

के कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, ब्लड कैंसर और अन्य प्रकार के कैंसर के इलाज में किया जाता है। सरकार ने सभी दवा दुकानदारों, अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों को नई कीमतों की सूची अपनी दुकानों और वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य के औषधि नियंत्रक यह जांच करेंगे कि दवाइयां तय कीमत पर मिल रही हैं या नहीं। किसी मेडिकल स्टोर या अस्पताल में दवा नई कीमत से ज्यादा पर बेची जाती है, तो मरीज एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-11-1255 पर शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा monitoring-nppa@gov.in पर ईमेल भी भेज सकते हैं। दवाइयों की नई कीमतों की जानकारी एनपीपीए की वेबसाइट www.nppa.gov.in और फार्मा सही दाम मोबाइल ऐप पर भी देखी जा सकती है।

पोलैंड की राजधानी के...

गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। खबर यह भी है कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्राको की पुलिस और तमाम आपातकालीन सेवाएं तुरंत हरकत में आ गईं और चंद मिनटों में पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया। पोलिश प्रसारक आरएमएफ24 की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और हालात पर काबू पाने के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यहां तक कि राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए क्राको के मुख्य बाजार में ही एक एयर एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर को भी उतारा गया है, ताकि गंभीर रूप से घायलों को तुरंत इलाज मिल सके। इस दर्दनाक घटना के बाद पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देश को संबोधित करते हुए स्थिति की गंभीरता पर बात की। उन्होंने अपने संदेश में साफ किया कि पुलिस इस पूरे मामले की बहुत बारीकी से जांच कर रही है और वह खुद गृह मंत्रालय के लगातार संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री पल-पल की अपडेट ले रहे हैं ताकि यह साफ हो सके कि आखिर इस खूनी खेल के पीछे कौन लोग थे और इसके तार कहां तक जुड़े हैं।

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ता ...

करने के आरोप लगाए हैं। खबर है कि इस दौरान कई लोग घायल भी हुए हैं। हालात को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के मौके पर उनके समर्थक आवास के बाहर बैनर और पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान उनकी स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर चलने लगे। आरोप है कि कुछ लोगों ने लोहे की छड़ों और हॉकी स्टिक से भी हमला किया।

12 दिसंबर को ...

हुई है। अयोध्या का दौरा अखिलेश यादव के लिए धार्मिक और राजनीतिक, दोनों लिहाज से अहम हो सकता है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान फैजाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी की जीत के बाद अयोध्या राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चा का केंद्र बनी थी। सपा ने इस सीट से अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाया था, जिन्होंने भाजपा के लल्लू सिंह को हराया था। ऐसे में अखिलेश यादव का अयोध्या पहुंचना और रामलला के दर्शन करना राजनीतिक रूप से भी चर्चा में रह सकता है। अखिलेश यादव इससे पहले भी अयोध्या और राम मंदिर को लेकर अपनी राय रखते रहे हैं। राम मंदिर चंदा चोरी के मामले में भी अखिलेश यादव ने जमकर प्रदेश सरकार को घेरा। समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि पार्टी सभी धर्मों और आस्थाओं का सम्मान करती है। अयोध्या और राम मंदिर को लेकर भाजपा लगातार अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधती रही है। भाजपा नेताओं ने कई बार अखिलेश यादव के रामलला के दर्शन नहीं करने को मुद्दा बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अखिलेश यादव को राम मंदिर जाकर दर्शन करने की नसीहत दे चुके हैं। भाजपा इस मुद्दे के जरिए सपा की धार्मिक आस्था और राम मंदिर को लेकर उसके रुख पर सवाल उठाती रही है। राम मंदिर को लेकर सपा के भीतर भी यह मुद्दा विवाद की वजह बना था। फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा के कुछ विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। इनमें राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी भी शामिल थे। इन विधायकों ने आरोप लगाया था कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद पार्टी नेतृत्व ने उन्हें रामलला के दर्शन के लिए जाने से रोका था।

जमीन पट्टा व वेतन ...

श्रमिकों ने मुख्य रूप से तीन मांगें उठाईं। इनमें चाय बागानों में रहने वाले श्रमिक परिवारों को जमीन का कानूनी पट्टा देना, अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान करना और दैनिक मजदूरी में बढ़ोतरी करना शामिल है। श्रमिकों का कहना है कि जमीन का मालिकाना हक मिलने से उनके परिवारों को स्थायी सुरक्षा मिल सकेगी। वहीं, एसटी दर्जे और बेहतर मजदूरी से उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का असर गोलाघाट जिले में भी देखने को मिला। यहां जालान चाय बागान के श्रमिकों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जल्द उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

191 लोगों की हत्या ...

समुदायों और अधिकारियों की नजरों से दूर मिट्टी से निर्मित घरों में रहते थे। वकीलों का कहना है कि मैकेंजी और उनके गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च ने एक ईसाई प्रलय का दिन मनाने वाला ग्रुप बनाया था, जिसमें उन्होंने अपने फॉलोअर्स को आदेश दिया था कि वे दुनिया खत्म होने से पहले स्वर्ग जाने के लिए खुद को और अपने बच्चों को भूखा मार दें। सामूहिक कब्रों की खोज के बाद से यह मामला केन्या में चर्चा का विषय बना हुआ है। इससे यह सवाल उठा कि मैकेंजी 2017 से अधिकारियों की नजर में थे, जब पुलिस ने उनके ठिकानों की तलाशी ली थी, फिर भी वह अपना काम कैसे जारी रख पाए। पुलिस ने कहा कि 2019 में, अधिकारियों ने मैकेंजी का चर्च बंद कर दिया और वह शाकाहोला फॉरेस्ट में चले गए। मैकेंजी ने हत्या के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने पीड़ितों को भूखा मरने के लिए मजबूर नहीं किया, लेकिन कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया।

कबाड़ बेचकर सरकार ...

यह पिछले अभियान से करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। ई-कचरे के निपटान से करीब 50 करोड़ रुपए मिले। कबाड़ बेचकर कमाई करने वाले विभागों में रेलवे बोर्ड पहले स्थान पर रहा। रेलवे ने 618.06 करोड़ रुपए जुटाए। रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने 88.96 करोड़ और कोयला मंत्रालय ने 61.41 करोड़ रुपए कमाए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की कमाई 34.81 करोड़ रुपए रही। अभियान के दौरान कुल 19,88,826 स्थानों पर सफाई की गई। यह पिछले साल के 11,59,783 स्थानों के मुकाबले करीब 71 प्रतिशत अधिक है। अभियान के दौरान सरकारी कार्यालयों में 277.82 लाख वर्ग फीट जगह खाली कराई गई। यह पिछले अभियान से करीब 19 प्रतिशत अधिक है। कोयला मंत्रालय ने सबसे ज्यादा 1.48 करोड़ वर्ग फीट जगह खाली कराई। सरकार ने अभियान के दौरान 9,99,168 जन शिकायतों का निपटारा किया और 40,878 अपीलों पर कार्रवाई की। 26,79,875 फिजिकल फाइलों की समीक्षा कर 15,76,828 फाइलें हटाई गईं। वहीं 9,58,864 ई-फाइलों की समीक्षा हुई और 7,01,723 बंद की गईं। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 7.01 लाख से ज्यादा स्थानों पर सफाई अभियान चलाकर पहला स्थान हासिल किया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 6.52 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य संस्थानों में अभियान चलाया।



शमी ने भारतीय ड्रेसिंग रूम में मेरी काफी मदद की : मोर्ने मोर्कल

नई दिल्ली

भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की तारीफ करते हुए कहा कि जब उन्होंने भारतीय टीम के साथ काम करना शुरू किया था, तब शमी ने ड्रेसिंग रूम में उन्हें भारतीय क्रिकेट की कार्यशैली और माहौल समझने में काफी मदद की थी। मोर्कल ने शमी के संन्यास को दुखद दिन बताया।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्कल वर्ष 2024 में मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ के हिस्से के रूप में भारतीय टीम से जुड़े थे। हालांकि, उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम करने का मौका नहीं मिला, लेकिन वर्ष 2025 की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों ने कुछ समय साथ बिताया था। यह भारतीय जर्सी में शमी की आखिरी प्रतियोगिता थी।

प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स से मैच से पहले बातचीत में मोर्कल ने कहा, जब मैंने पहली बार टीम के साथ काम करना शुरू किया, तब शमी टीम का हिस्सा थे। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। वह बेहद कुशल खिलाड़ी हैं और टीम के साथ ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी काफी अहम थी। जब मैं टीम से जुड़ा, तब उन्होंने ड्रेसिंग रूम में मुझे भारतीय माहौल और यहां की भाषा समझने में काफी मदद की। उन्होंने मेरी बहुत सहायता की। उन्हें क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।

शमी ने तीनों प्रारूपों में भारत के लिए कुल 462 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए। इनमें टेस्ट क्रिकेट में 229 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, वह बंगाल के लिए सीमित ओवरों का घरेलू क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे।

मोर्कल ने कहा कि उन्हें यह देखकर अच्छा लगता है कि शमी अब भी घरेलू क्रिकेट में पूरी मेहनत और उसी तीव्रता के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि वह अब भी अपने घर पर काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखकर अच्छा लगता है।

36 वर्षीय शमी ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था। अपने करियर में उन्होंने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट हासिल किए, जिसमें छह बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा शामिल है।

शमी ने भारत के लिए घरेलू और विदेशी परिस्थितियों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। खासकर विदेशी मैदानों पर उनकी गेंदबाजी उल्लेखनीय रही। उन्होंने 41 विदेशी टेस्ट मैचों में 30.33 के औसत से 145 विकेट लिए। नई और पुरानी दोनों गेंदों से स्विंग तथा सीम मूवमेंट हासिल करने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का भरोसेमंद सदस्य बनाया।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला वर्ष 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेला था। चोटों के कारण उनके करियर में कई बार रुकावटें आईं, लेकिन उन्होंने तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

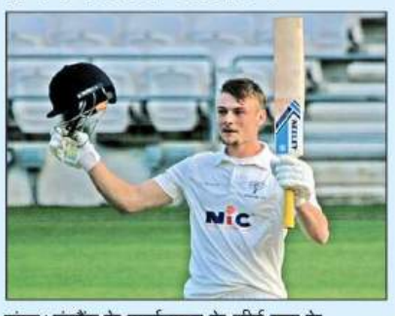
न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में खराब प्रदर्शन से मनु और सुरुचि ओलंपिक कोटा से चूकीं



दोहा। भारत की स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर और सुरुचि इंदर सिंह को 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा नहीं मिल पाया है। जिससे इनके प्रशंसक निराश है। ये दोनो ही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप की महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पदक हासिल करने में विफल रहीं थीं। इसी कारण इन्हें ओलंपिक के लिए प्रवेश नहीं मिल पाया है। मनु के लिए ये और भी निराशाजन कै क्योंकि पिछले ओलंपिक में उन्हें दो पदक मिले थे। दोनों ही खिलाड़ियों का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा और वे आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे प्रवेश टूर्नामेंट में भी प्रभावित नहीं कर पायीं। अब उन्हें ओलंपिक में प्रवेश के लिए अन्य क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में किस्मत आजमानी पड़ेगी फाइनल मुकाबले में अनुभवी भाकर 179.9 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं थी, जबकि एशियाई खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता सुरुचि इंदर सिंह को 158.3 अंक के साथ छठा स्थान मिला था। इस परिणाम के साथ ही, विश्व चैंपियनशिप में भारत का व्यक्तिगत पदक और ओलंपिक कोटा का इंतजार जारी रहा। यह चैंपियनशिप लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा का कोटा हासिल करने के लिए पहली बड़ी स्पर्धा है, जिससे भारतीय निशानेबाजी की संभावनों को झटका लगा है।

फिनले बीन ने नार्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट कलब से करार किया



लंदन। इंग्लैंड के यार्कशायर के शीर्ष क्रम के विकेटकीपर बल्लेबाज फिनले बीन ने नार्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ तीन साल का करार किया है। फिनले के इस कदम से सभी हैरान है क्योंकि यार्कशायर के साथ उनका अनुबंध अभी दो साल बचा हुआ था। माना जा रहा है कि फिनले इससे अब अपने खेल को और बेहतर बना सकते हैं। गौरतलब है कि यार्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में शानदार शतक लगाने और 25.22 के प्रभावशाली औसत को बनाए रखने के बाद भी फिनले को कई बार टीम की अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। मैदान पर अधिक समय बिताने और अपनी प्रतिभा को पूरी तरह से प्रदर्शित करने की इच्छा से उन्हें यह बड़ा निर्णय लेने पर मजबूर किया। उनका नार्थम्पटनशायर में शामिल होना उनके लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर रहेगा।

पश्चिम एशिया में तनाव से एशियन कप टूर्नामेंट टला



दुबई। एशियाई फुटबाल संघ (एएफसी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए सऊदी अरब में अगले साल की शुरुआत में होने वाला एशियन कप 2027 अब साल के अंत में आयोजित किया जाएगा। पहले ये टूर्नामेंट 7 जनवरी से 5 फरवरी 2027 तक होने वाला था पर अब ये 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक खेला जाएगा। इस नये कार्यक्रम को हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबाल महासंघ (फीफा) की मंजूरी नहीं मिली है। एएफसी के अनुसार प्रतियोगिता की आयोजन समिति ने मौजूदा असाधारण हालातों को देखते हुए तारीखों में बदलाव किया है। परिसंघ के अनुसार, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम को देखते हुए सुरक्षा के साथ-साथ टीमों, अधिकारियों, दर्शकों और आयोजन से जुड़े अन्य लोगों की यात्रा और अन्य प्रकार की व्यवस्था करना संभव नहीं है। यह फैसला इसलिए भी हैरानी भर है क्योंकि पिछले महीने ही एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद टूर्नामेंट की तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहने की बात कही थी। हालांकि, सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों से हालात बदल गये और सुरक्षा चिन्ताएं शुरु हो गयीं। क्षेत्र में तनाव के कारण हाल ही में क्लब फुटबाल पर भी प्रभाव देखा गया है। हाल ही में सऊदी अरब के प्रमुख क्लब अल नासर का अल वस्ल के खिलाफ एशियाई चैंपियंस लीग का मुकाबला टालना पड़ा था, क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात की टीम ने सुरक्षा कारणों से रियाद जाने से इनकार कर दिया था। इस बीच, 2015 की एशियाई कप विजेता आस्ट्रेलिया ने पिछले सप्ताह यह साफ किया था कि वह क्षेत्र में होने वाले अपने मैत्री मुकाबलों (दोहा में कतर और अम्मान में जार्डन के खिलाफ) में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

पहली विश्व कप जीत के इरादे से उतरेगा हैती, कोच सैंविल ने रक्षापंक्ति मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली

फीफा अंडर-17 विश्व कप में अब तक अपनी पहली जीत का इंतजार कर रही हैती की टीम इस बार इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। मुख्य कोच कोवस्की सैंविल ने कहा है कि टीम का लक्ष्य ग्रुप चरण से आगे बढ़ना और विश्व कप में पहली जीत दर्ज करना है। इसके लिए टीम ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर 2025 में हैती को ग्रुप चरण में मिस्र, इंग्लैंड और वेनेजुएला के खिलाफ क्रमशः 1-4, 1-8 और 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। तीन मुकाबलों में टीम ने कुल 16 गोल गंवाए थे। पिछले अनुभव से सबक लेते हुए कोच सैंविल ने इस बार रक्षात्मक रणनीति पर काम किया है।

सैंविल ने ब्राजील में टीम के अभ्यास शिविर में फीफा से बातचीत में कहा, हम अपनी रक्षापंक्ति पर काम कर रहे हैं, ताकि वह एक इकाई के रूप में बेहतर प्रदर्शन करे। हमें रक्षात्मक खेल में अधिक अनुशासित रहना होगा और टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। बचाव करना पूरी टीम की जिम्मेदारी है। हमें तेजी से अपनी पोजिशन बदलकर विपक्षी टीम को जगह देने से रोकना होगा। इसके बाद गेंद पर नियंत्रण मिलने पर अपने तेजतर्रार फारवर्ड खिलाड़ियों के जरिए जवाबी हमला करना होगा।

कनाडा के अर्ध-पेशेवर क्लब एफसी लावल के साथ काम करने के बाद जनवरी में हैती के कोच नियुक्त हुए सैंविल ने टीम की कमजोरियों को जल्द पहचान लिया था। फरवरी तक वह किसी भी आयु वर्ग की हैती पुरुष या महिला टीम को विश्व कप तक पहुंचाने वाले पांचवें कोच बन गए।



कतर विश्व कप के लिए कानकाकाफ क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में हैती ने ग्रेनाडा को 5-1 से हराकर शुरुआत की। इसके बाद एंटीगुआ और बारबुडा को 4-0 से शिकस्त दी और ग्वाटेमाला के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज कर विश्व कप में जगह पक्की की। यह हैती का चौथा फीफा अंडर-17 विश्व कप होगा। इससे पहले टीम 2007, 2019 और 2025 में इस प्रतियोगिता में खेल चुकी है।

पेले के बाद के दौर के चर्चित कोच पेप गार्डियोला के प्रशंसक सैंविल जर्गेन क्लाप और जोस मोरिन्हो को भी अपनी प्रेरणा मानते हैं। उन्होंने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने को असाधारण उपलब्धि बताते हुए कहा, मैं इस सफलता से बेहद खुश हूं। यह मुझे अपने देश की प्रगति के लिए लगातार काम करते रहने की प्रेरणा देती है।

पिछले विश्व कप से बेहतर प्रदर्शन की तैयारी में हैती ने ब्राजील के दो बड़े क्लबों वास्को डी गामा और फ्लामेंगो के खिलाफ अभ्यास मैच खेले। टीम ने वास्को डी गामा को 4-1 से हराकर अपनी तैयारियों का अच्छा संकेत दिया।

मिगुएल जोसेफ पर रहेंगी निगाहें

हैती के उभरते हुए खिलाड़ी मिगुएल जोसेफ टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्हें पिछले महीने पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में भी बुलाया गया था। उनके अलावा इमर्सन लैसे, गुइवें बारजोन और क्लिफर्ड जीन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

17 वर्षीय मिगुएल की तारीफ करते हुए सैंविल ने कहा, मिगुएल बेहद अनुशासित, विनम्र और समझदार खिलाड़ी हैं। हम उनके अनुभव पर भरोसा करेंगे। जोसेफ हैती के मिडफील्ड की अहम कड़ी हैं। वह अगले वर्ष होने वाले फीफा अंडर-20 विश्व कप की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में भी खेल चुके हैं और पिछले साल अंडर-17 टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं।

जोसेफ ने कहा, हम इस प्रतियोगिता में पहले से अधिक मजबूत होकर उतर रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने अपनी गलतियों से सीखा है। हमारा लक्ष्य ग्रुप चरण से आगे बढ़ना है। बचपन से यूरोप में फुटबाल खेलने का सपना देखने वाले जोसेफ ने कहा कि टीम किसी से डरने वाली नहीं है। हैती फुटबाल खेलने वाला देश है और टीम यह दिखाना चाहती है कि अब उसे कमजोर नहीं समझा जा सकता।

फ्रांस के खिलाफ अभियान की शुरुआत

हैती को ग्रुप डी में 19 नवंबर को फ्रांस, 22 नवंबर को उरुग्वे और 25 नवंबर को सऊदी अरब से मुकाबला करना है। फ्रांस के खिलाफ पहले मैच से पूर्व कोच सैंविल ने 4-2-3-1 की रणनीति अपनाने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने कहा, हम अनुशासित और सघन मिड-ब्लाक के साथ 4-2-3-1 फार्मेशन में खेल रहे हैं। मैं व्यावहारिक रणनीति अपनाने में विश्वास करता हूं। मैच की स्थिति के अनुसार हम अपनी योजना बदल सकते हैं और जरूरत पड़ने पर हाई प्रेसिंग भी कर सकते हैं।

फ्रांस के खिलाफ मुकाबले को लेकर जोसेफ ने कहा, फ्रांस अच्छी टीम है और हम इस मैच में प्रबल दावेदार नहीं होंगे, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। हमारे पास डरने की कोई वजह नहीं है। हम हैती हैं और फुटबाल हमारा खेल है। हम उन्हें दिखाएंगे कि अब हम कमजोर टीम नहीं हैं।

कोच सैंविल ने कहा कि टीम इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी। उनका लक्ष्य विश्व कप में पहली जीत हासिल करना, पहले दौर से आगे बढ़ना और अपने प्रशंसकों के चेहरों पर मुस्कान लाना है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

लंदन

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं।



सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल

नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित, बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ 98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है। बायर्न के लिए अब तक उन्होंने 161 मैचों में 156 गोल किए हैं, और इस सीजन में भी 12 गोल दाग चुके हैं।वहीं इससे पहले फीफा विश्वकप में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रभावित किया था। राष्ट्रीय टीम के लिए भी केन का प्रदर्शन शानदार रहा है। हाल ही में चेकिया के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने अपना 125वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर पीटर शिल्टन के 1990 में बनाए रिकॉर्ड की बराबरी की। वह इंग्लैंड के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं, जिनके नाम 91 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं।नए करार पर खुशी जताते हुए केन ने कहा, मैं बायर्न, यहां के प्रशंसकों और म्यूनिख शहर में खुद को घर जैसा महसूस करता हूं। मेरा परिवार भी यहां खुश है, और मैं क्लब के साथ बने रहना चाहता था। अब मेरा लक्ष्य टीम के साथ और अधिक खिताब जीतना है। उन्होंने कोच विंसेंट कोम्पनी और पूरी टीम की भी तारीफ की।क्लब के अध्यक्ष हर्बर्ट हाइनर ने केन के बायर्न से जुड़ने को क्लब के इतिहास का खास हिस्सा बताया, जबकि सीईओ यान-क्रिश्चियन ड्रेसन ने इसे क्लब, प्रशंसकों और बुंडेसलीगा के लिए शुभ संकेत करार दिया।

पर्वतारोहण में भारत की नई उपलब्धि



नई दिल्ली। भारतीय पर्वतारोही कविता चंद ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर नया भारतीय रिकार्ड कायम किया है। उन्होंने महज 22 घंटे 36 मिनट में चोटी पर चढ़ाई करने और वापस शुरुआती स्थान तक पहुंचने का सफर पूरा किया। इसके साथ ही वह 24 घंटे से कम समय में किलिमंजारो का राउंड ट्रिप पूरा करने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने 12 घंटे 46 मिनट में 5895 मीटर ऊंची उहुरू पीक पर पहुंचकर एक और शानदार उपलब्धि हासिल की। कविता ने यह चुनौती मवेका गेट-उहुरू पीक-मवेका गेट रूट के जरिए पूरी की। आमतौर पर किलिमंजारो की चढ़ाई और वापसी में पांच से नौ दिन का समय लगता है। इसकी वजह अधिक ऊंचाई पर शरीर को वातावरण के अनुकूल बनाने (एक्लिमेटाइजेशन) की जरूरत होती है। ऐसे में कविता की यह उपलब्धि उनकी शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और कठिन तैयारी को दर्शाती है। शिकागो मैराथन से किलिमंजारो तक की तैयारी किलिमंजारो पर स्पीड क्लाइंबिंग के लिए कविता ने कई महीनों तक तैयारी की थी।

एकदिवसीय में इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

जोहांसबर्ग

एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं। डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16 विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में वेस्टइंडीज के युवा आलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है।

इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है। इस सूची में सबसे पहले नाम आता है श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का, जिन्होंने 7 अप्रैल 1996 को सिंगापुर में पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर पचास रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी का नया चलन स्थापित किया था। उनकी 76 रनों की पारी में 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे। कई साल बाद उन्हीं की शैली को दोहराते हुए एक और श्रीलंकाई बाएं हाथ के बल्लेबाज कुसल परेरा ने 15 जुलाई 2015 को पल्लेकेले में पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। परेरा ने अपनी 68 रनों की पारी में 13 चौके और 2 छक्के जमाए। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल भी इसी साल (2015) 28 दिसंबर को क्राइस्टचर्च में श्रीलंका के खिलाफ महज 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस विशिष्ट क्लब में शामिल हुए। गप्टिल ने 93 रनों की अपनी नाबाद पारी में 8 छक्के और 9 चौके लगाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।



वर्ष 2015, जहां एक तरफ डिविलियर्स ने विश्व रिकार्ड बनाया, वहीं परेरा और गप्टिल ने भी अपनी आतिशी पारियों से इस साल को पावर-हिटिंग के लिए स्वर्णिम बना दिया। ये पारियां केवल आंकड़ों का खेल नहीं थीं, बल्कि इन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट के स्वरूप को बदलने में अहम भूमिका निभाई है।

सेंट फ्राबेल ने जीता दिल्ली कैपिटल्स स्कूल कप का खिताब, सेंट फ्राबेल ने रोका माडर्न स्कूल का दो सत्रों का अजेय अभियान

गुरुग्राम

सेंट फ्राबेल, पश्चिम विहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन माडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड को आठ विकेट से हराकर 2026 दिल्ली कैपिटल्स स्कूल कप का खिताब अपने नाम कर लिया। द गेम्स फारेस्ट मैदान पर खेले गए फाइनल में सेंट फ्राबेल ने माडर्न स्कूल के दो सत्रों से चले आ रहे अजेय अभियान पर विराम लगा दिया।

माडर्न स्कूल ने पहले संस्करण और 2026 प्रतियोगिता में फाइनल तक अपने सभी मुकाबले जीते थे। हालांकि, खिताबी मुकाबले में कर्ण शर्मा की अगुवाई में सेंट फ्राबेल के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज लक्ष्य नारंग की विस्फोटक पारी ने टीम को यादगार जीत दिलाई। सेंट फ्राबेल ने 56 रन का लक्ष्य महज 3.2 ओवर में हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी माडर्न स्कूल की टीम सेंट फ्राबेल की अनुशासित गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 15.3 ओवर में 55 रन पर सिमट गई। कर्ण शर्मा ने 17 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि पार्थ भाटिया ने छह रन देकर दो विकेट हासिल किए। सेंट फ्राबेल के गेंदबाजों ने पूरे मैच में विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। माडर्न स्कूल का केवल एक बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार कर सका।



लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट फ्राबेल की टीम को सलामी बल्लेबाज लक्ष्य नारंग ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 14 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 48 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर सेंट फ्राबेल ने 3.2 ओवर में दो विकेट पर 58 रन बनाकर खिताब जीत लिया।

अभीर सुदान को आरेंज कैप और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार – बल्लेबाजी में नोएडा के बिलाबोंग स्कूल के अभीर सुदान का दबदबा रहा। उन्होंने पांच पारियों में 249 के स्ट्राइक रेट और 210 के औसत से 421 रन बनाकर आरेंज कैप हासिल की। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। समग्र प्रदर्शन रैंकिंग में भी वह शीर्ष पर रहे।

सेंट फ्राबेल स्कूल के नूर मोहम्मद 259 रन बनाकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि द्वारका के वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल के देवन राणा ने 255 रन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। माडर्न स्कूल के वायन 252 रन बनाकर चौथे और माडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड के तन्मय चौधरी 241 रन के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

विनायक को पर्पल कैप, बिलाबोंग स्कूल को फेयर प्ले अवार्ड – गेंदबाजी में माडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड के विनायक ने 5.55 की इकानमी से 15 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम की। बिलाबोंग स्कूल, नोएडा के आरव शर्मा 14 विकेट के साथ दूसरे और सलवान बायज स्कूल के दक्ष डागर 13 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। सेंट फ्राबेल स्कूल के पवन बघेल ने 12 विकेट लेकर चौथा और डीपीएस आरके पुरम के मृणायक ने 11 विकेट के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

पूरे टूर्नामेंट में खेल भावना और अनुशासित व्यवहार के लिए फेयर प्ले अवार्ड बिलाबोंग स्कूल, नोएडा को दिया गया।

38 टीमों ने लिया हिस्सा – दिल्ली कैपिटल्स स्कूल कप के दूसरे संस्करण का विस्तार किया गया था। इसमें दिल्ली-एनसीआर के चार मैदानों पर 38 टीमों के बीच कुल 66 मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई थी, जबकि फाइनल 6 नवंबर को खेला गया। एक महीने तक चली इस प्रतियोगिता ने युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान किया।

दीपावली : परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

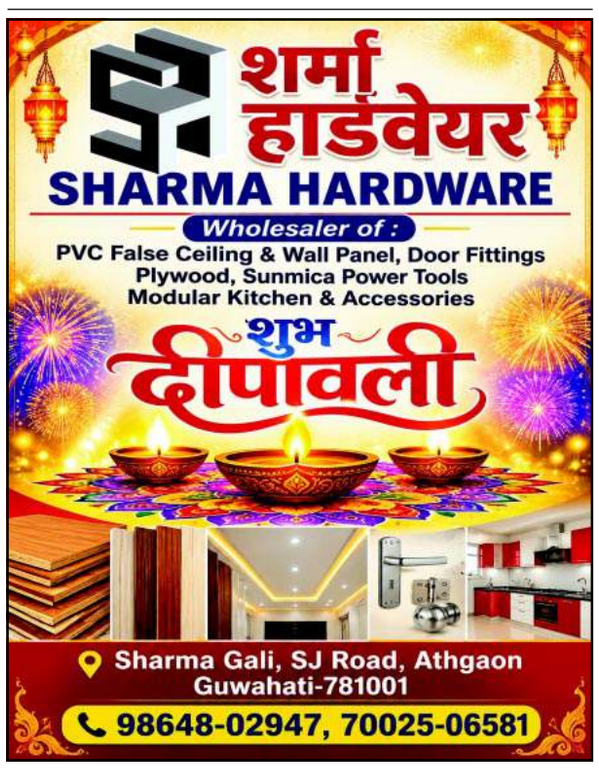


आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा भी अब सिमटती जा रही है। उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइटों, झालरों और अन्य कृत्रिम रोशनी ने ले ली है। यह बदलाव केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित नहीं कर रहा बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए आवश्यक है कि हम दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा पटाखों से परहेज करने का संकल्प लें। दीपावली का पर्व मिट्टी के दीयों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति और आस्था में रचा-बसा त्योहार है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से कार्तिक मास की अमावस्या को दीपोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। मिट्टी के दीये जलाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव का भी प्रतीक है। पिछले दो दशकों में कृत्रिम रोशनी का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपनी पारंपरिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली पर बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों का प्रयोग बढ़ा है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण, पशु-पक्षियों, बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का परंपरागत व्यवसाय धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। एक समय था जब दीपावली आने से कई सप्ताह पहले लोग कुम्हारों को दीयों के ऑर्डर दे दिया करते थे। उनके परिवार के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके दीये तैयार करते थे। भले ही उनकी आमदनी बहुत अधिक नहीं होती थी लेकिन अपनी कला और परंपरा को जीवित रखने का उत्साह उनमें अवश्य रहता था। आज स्थिति बदल गई है। मिट्टी के दीयों की मांग घटने से कुम्हारों का उत्साह भी कम हुआ है। अनेक परिवार अपने पुश्तैनी व्यवसाय से दूर होकर दूसरे रोजगार अपनाने को मजबूर हैं। दीपावली पर अब कई घरों में केवल प्रतीकात्मक रूप से दो-चार मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं, जबकि अधिकांश सजावट इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और झालरों से की जाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारी छोटी-सी पहल किसी कारीगर के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। मिट्टी के दीये खरीदकर हम न केवल अपनी संस्कृति को बचाते हैं बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देते हैं। मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा का अपना अलग सौंदर्य और महत्व है। सरसों के तेल से जलते दीये की लौ मन को एक विशेष शांति और आत्मीयता का अनुभव कराती है। दीये की सादगी और उसकी प्राकृतिक सुंदरता का मुकाबला कृत्रिम रोशनी नहीं कर सकती। मिट्टी के दीये स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प से जुड़े होते हैं। हालांकि पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका उपयोग करते समय तेल, बाती और अन्य संसाधनों का भी विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी संस्कृति केवल दीये जलाने तक सीमित नहीं है। इसमें घरों की स्वच्छता, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयां बांटना, पड़ोसियों और जरूरतमंदों को उपहार देना तथा आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखना भी शामिल है। दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे घर के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचे।

सिर्फ मंदिर में नहीं... दीवाली की रात पांच कोनों में जरूर रखें दीया

हिंदू धर्म में दीवाली के पर्व का विशेष महत्व है। यह दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। इस अवसर पर दीपक जलाने का बहुत महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दीवाली की रात कुछ विशेष जगहों पर दीपक जलाने से व्यक्ति को जीवन में शुभ परिणाम मिलते हैं और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही सुख-समृद्धि आती है और तिजोरी कभी खाली नहीं रहती। ऐसे में आपके मन में सवाल आ रहा होगा कि आखिर ऐसी कौन-सी जगहें हैं, जहां पर दीवाली की रात दीपक जलाना फलदायी साबित होता है। आइए इस आर्टिकल में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दीवाली की रात घर के मुख्य द्वार से मां लक्ष्मी का आगमन होता है। इसलिए घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाना चाहिए। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि ये दीये रातभर जलते रहें। ऐसा माना जाता है कि मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रवेश होता है। यह स्थान कुबेर देव और मां लक्ष्मी का माना जाता है। इसलिए दीवाली की रात तिजोरी के पास दीपक जलाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती और बरकत बनी रहती है। साथ ही जीवन में कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। दीवाली की रात रसोई में भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रसोई में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। ऐसा माना जाता है कि रसोई में दीपक जलाने से अन्न और धन के भंडार हमेशा भरे रहते हैं और परिवार के सदस्यों पर मां अन्नपूर्णा की विशेष कृपा बरसती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दीवाली की रात तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। इसके अलावा घर के मंदिर में भी दीपक जलाना बेहद शुभ माना जाता है। घर का मंदिर और उत्तर-पूर्व (ईशान) कोना देवताओं का स्थान होता है। दीवाली की रात यहां दीपक जलाने से घर का वास्तु दोष दूर होता है और मानसिक शांति मिलती है।







FIRE SAFETY DOS AND DON'TS DURING DIWALI FESTIVAL 2026

FOR EVERY CITIZENS ON LIGHTING CRACKERS SAFELY



Use standard-made fireworks only. Read the instructions and precautions on the pack before.



Light crackers in open areas, away from buildings, vehicles and flammable materials.



Keep a bucket of water ready. Dip used fireworks in it to put out leftover sparks.



Adults must supervise children while lighting crackers. Avoid wearing synthetic clothes, as they catch fire easily.



Light one cracker at a time, stand at a safe distance and face away to avoid injuries.



Protect elders, children and pets. Keep windows and openings closed to stop lighted flying crackers entering houses.



Never light crackers indoors, near windows or in confined spaces; do not light many crackers together.



Do not light crackers near dry leaves, gas cylinders or combustibles, or where they block exits and escape routes.



If a cracker does not ignite, do not relight it. Wait, then dispose of it safely. Do not burst or display crackers near cracker shops or vehicles.



Never leave lamps, candles or diyas unattended, especially near curtains or combustible materials.

FIRE SAFETY DO'S AND DONT'S DURING DIWALI FESTIVAL 2026

FOR PUJA COMMITTEES, ORGANISERS AND PUBLIC GATHERINGS



Construct puja pandals as per prescribed safety standards; use fire retardant decorative materials wherever possible.



Keep fire vehicle access, entry/exit points and escape routes unobstructed, marked and free of parked vehicles.



Keep fire extinguishers, water and sand buckets ready. Display nearest Fire & Emergency Services Station number.



Use qualified electricians and good quality insulated wires; avoid overloading electrical points.



Keep LPG cylinders, cooking areas and generators away from the pandal and public areas.



Deploy trained volunteers for crowd management; assist children, elderly persons and persons with disabilities.



Do not store firecrackers or combustible materials inside pandals or allow overcrowding beyond safe capacity.



Do not ignore sparks, smoke or burning smell. Switch off power and inform responsible persons immediately.





In case of burns, pour cool water until the pain eases, then consult a doctor immediately. Seek medical help for any injury.

-- DIPR /D/VBS75/8-Nov-26

BE CAUTIOUS
STAY SAFE
IN CASE OF FIRE & EMERGENCY Call 101/112

PUBLISHED BY DIRECTORATE OF FIRE AND EMERGENCY SERVICES, ASSAM IN THE INTEREST OF PUBLIC SAFETY

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in